TarunMitra
www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल
वर्ष: 6 अंक 119
बुधवार 17 जून, 2026

तापमान
अधिकतम 39°C
न्यूनतम 30°C

मूल्य 2 रुपए
पृष्ठ-8
मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित
www.tarunmitra.in

जी-7 मंच पर भारत की बढ़ी वैश्विक ताकत

स्लोवाकिया में रणनीतिक रिश्तों को नई मजबूती, फ्रांस में वैश्विक एजेंडे पर मंथन

एवियन/ब्रातिस्लावा, 16 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोप दौरे के अंतिम चरण में फ्रांस के एवियन पहुंचकर जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की भागीदारी का आगाज किया। इससे पहले उन्होंने स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ व्यापक वार्ता कर दोनों देशों के रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को नई दिशा देने पर सहमति बनाई। इस तरह यूरोप यात्रा के अंतिम चरण में भारत ने एक ओर द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी तो दूसरी ओर वैश्विक मंच पर अपनी सक्रिय भूमिका को और प्रभावी बनाने का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी स्लोवाकिया से जिनेवा होते हुए फ्रांस पहुंचे। जिनेवा में उनका स्वागत स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन ने किया। इसके बाद एवियां पहुंचकर उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वह विश्व नेताओं के साथ विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत अधिक

शिखर सम्मेलन

- एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट पर होगी चर्चा
- यूरोप दौरे के अंतिम चरण में कई विश्व नेताओं से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

समृद्ध, सुरक्षित और सतत भविष्य के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। जी7 शिखर सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक संघर्षों और अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद मध्य-पूर्व की बदलती परिस्थितियों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी

की कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकातें भी प्रस्तावित हैं, जिनमें आपसी सहयोग और निवेश बढ़ाने पर बातचीत होगी। फ्रांस रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी से प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। दोनों नेताओं ने व्यापार, विनिर्माण, निवेश, परिवहन, ऊर्जा, बायोफ्यूल, डिजिटल तकनीक, नवाचार और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने पर सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के अनुसार रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, शिक्षा, डिजिटलीकरण और अनुसंधान के क्षेत्र में भी साझेदारी मजबूत करने पर जोर दिया गया। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पेलेग्रिनी की दूरदृष्टि और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पिछली मुलाकात में शुरू हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। वहीं राष्ट्रपति पेलेग्रिनी ने कहा कि नई दिल्ली में शुरू हुई मित्रतापूर्ण बातचीत अब ठोस सहयोग में बदल रही है और दोनों देश दीर्घकालिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ब्रातिस्लावा प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्लोवाक भाषा में उपनिषदों का अनुवाद करने वाले विद्वान डॉ. रॉबर्ट गैफ्रिक से भी मुलाकात की।

उन्होंने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को स्लोवाक समाज तक पहुंचाने में उनके योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री ने प्रेसिडेंशियल पैलेस में वाराणसी पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और कहा कि कला एवं संस्कृति देशों के बीच विश्वास और मित्रता का सबसे मजबूत माध्यम हैं। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहे।

यूरोप दौरे के समापन चरण में स्लोवाकिया के साथ रणनीतिक संबंधों को नई मजबूती देने के बाद अब जी7 सम्मेलन में भारत की भागीदारी पर दुनिया की नजर है। वैश्विक चुनौतियों के समाधान, आर्थिक सहयोग और बहुपक्षीय साझेदारी को लेकर भारत की भूमिका इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ईरान ने समझौते पर इजराइल को भी पक्षकार बताया

- विदेश मंत्री अराग्ची बोले-लेबनान में युद्धविराम और इजराइली सेना की वापसी समझौते की अनिवार्य शर्त
- 19 जून से परमाणु वार्ता का नया दौर शुरू होगा

तेहरान, 16 जून। ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाले समझौता ज्ञापन पर औपचारिक हस्ताक्षर से पहले स्पष्ट कर दिया है कि इस समझौते में इजराइल और हिज्बुल्लाह भी पक्षकार हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग़्ची ने विदेशी राजनयिकों के साथ बैठक में कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते का उद्देश्य केवल दोनों देशों के बीच तनाव कम करना नहीं, बल्कि लेबनान में जारी संघर्ष को समाप्त करना भी है।

अराग्ची ने कहा कि ईरान की नजर में समझौते का एक पक्ष अमेरिका और इजराइल है, जबकि दूसरा पक्ष ईरान और हिज्बुल्लाह। उन्होंने स्पष्ट किया कि लेबनान में लड़ाई रोकना समझौते का अहम हिस्सा है और कब्जे वाले क्षेत्रों से इजराइली सेना की वापसी के बिना युद्ध समाप्त नहीं माना जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि लेबनान पर इजराइल का कोई भी नया हमला समझौते का उल्लंघन होगा। उन्होंने बताया कि ईरान और अमेरिका 19 जून से परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंध हटाने के मुद्दे पर अंतिम समझौते के लिए नए दौर की वार्ता शुरू करेंगे। समझौता ज्ञापन पर औपचारिक हस्ताक्षर भी इसी दिन स्विट्जरलैंड में होने की संभावना है। इस बीच तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार, हस्ताक्षर समारोह में ईरान की ओर से संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ और अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

देश के 23 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में जनगणना का पहला चरण पूरा

नई दिल्ली, 16 जून। जनगणना-2027 के तहत मकान सूचीकरण एवं आवास जनगणना (एचएलओ) का पहला चरण अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में जनगणना का कार्य चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय के अनुसार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना और उत्तराखंड में जनगणना-2027 का प्रथम चरण पूरा हो चुका है।

दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित होंगे

नई दिल्ली, 16 जून। दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित किए जाएंगे और दिल्ली के आसपास एक आधुनिक सब-सिटी 'नमो सिटी' बनाई जाएगी। यह निर्णय मंगलवार को नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड (एनसीआरपीबी) की 42वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने की। बैठक में एनसीआर के विकास, पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में टीसीएस की याचिका खारिज

मुंबई, 16 जून। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने एक दूसरी कंपनी के सॉफ्टवेयर तक अवैध पहुंच हासिल करने के एक मामले में भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। टीसीएस ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 15 जून को अमेरिकी प्रांतीय अपीलीय अदालत के फैसले के पुनरीक्षण के लिए दायर उसकी याचिका को खारिज कर दिया है। यह मामला अमेरिका की डीएक्ससी टेक्नोलॉजी कंपनी (पूर्व में कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन) से जुड़ा हुआ है।

मिशन 2027 में ओबीसी पर फिर दांव लगाएंगी मायावती

लखनऊ, 16 जून। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच बहुजन समाज पार्टी ने अपने पारंपरिक दलित-ओबीसी सामाजिक समीकरण को फिर से मजबूत करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है।

पार्टी प्रमुख मायावती ने मंगलवार को ओबीसी समाज की समीक्षा बैठक में संगठन की स्थिति का आकलन करते हुए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर पिछड़े वर्ग के बीच सक्रिय होने के निर्देश दिए। बैठक में मायावती ने कहा कि वर्ष 2007 में बसपा को पूर्ण बहुमत दिलाने में ओबीसी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से उसी भरोसे और सामाजिक आधार को दोबारा मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और सामाजिक न्याय के एजेंडे को पिछड़े वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना होगा।

कफ सिरप बिक्री पर सख्ती, डॉक्टर के पर्चा बिना अब नहीं मिलेगी दवा

सरकार ने बदले नियम, बिना लाइसेंस बिक्री पर भी पूरी तरह रोक

नई दिल्ली, 16 जून। केंद्र सरकार ने खांसी की सिरप की बिक्री और वितरण को लेकर नियम सख्त कर दिए हैं। औषधि नियम, 1945 में संशोधन के बाद अब डॉक्टर के वैध प्रिस्क्रिप्शन (पर्ची) के बिना कफ सिरप नहीं मिलेगी। साथ ही 1000 से कम आबादी वाले गांवों में बिना लाइसेंस खांसी की सिरप बेचने की पहले से मिली छूट भी समाप्त कर दी गई है।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राजपत्र अधिसूचना के जरिए यह संशोधन लागू किया है।

इसके तहत औषधि नियम, 1945 की अनुसूची 'क' में बदलाव करते हुए कफ सिरप को दी गई विशेष छूट समाप्त कर दी गई है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी खांसी की सिरप केवल लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर या फामेर्सी से ही खरीदी और बेची जा सकेगी। मंत्रालय का कहना है कि यह फैसला दवाओं की बिक्री पर प्रभावी निगरानी, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उनके दुरुपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से लिया गया है।

अब सभी निमार्ता, वितरक और खुदरा विक्रेताओं को नए नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार के अनुसार, यह संशोधन दिसंबर 2025 में अधिसूचित किया गया था, जिसे अब पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

मप्र कैबिनेट: बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाएं और जन-कल्याण के लिए 24 हजार 200 करोड़ रुपये स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

भोपाल, 16 जून। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में मंत्रि-परिषद ने राज्य के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण को बड़ी रफ्तार देते हुए कुल 24,200 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

इसके अलावा, इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण सहित कुल 19,472 करोड़ 29 लाख रुपये का पुनरीक्षित बजट स्वीकृत किया गया। राज्य में विश्वस्तरीय सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने और परोपकारी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 'मेगा स्वास्थ्य सेवा

अधोसंरचना प्रोत्साहन नीति 2026 लागू करने के प्रस्ताव पर मंत्रि-परिषद ने पांच सदस्यीय मंत्रि-मण्डल उप समिति का गठन किया है। साथ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए रीवा, देवास और गुना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आउटसोर्स मॉडल पर चलाने का पायलट प्रोजेक्ट भी मंजूर किया गया।

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रि-परिषद ने इंदौर मेट्रो रेल परियोजना की मूल लागत 7 हजार 500.80 करोड़ रुपये में 5 हजार 388.58 करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत जोड़कर पुनरीक्षित लागत 12 हजार 889.38 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है।

इसके अतिरिक्त उद्योग के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण पीपीपी घटक एवं आंतरिक ऋण के प्रभाव को सम्मिलित करते हुए 6 हजार 582.91 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस तरह कुल 19 हजार 472 करोड़ 29 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद द्वारा वन विभाग के अंतर्गत प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट और ग्रामों के पुनर्वास के लिए मुआवजा सम्बंधी योजना के सोलहवें केन्द्रीय वित आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक कुल 5 वर्षों तक संचालन के लिए कुल 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुंबई समेत 17 ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली, 16 जून (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यस बैंक लोन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को मुंबई, खंडाला और नई दिल्ली में एक साथ 17 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह छापेमारी मेसर्स सुरक्षा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एसएआरसीएल), मेसर्स सुरक्षा रियल्टी लिमिटेड, मेसर्स ख्याति रियल्टर्स प्रा.लि. और उनके प्रमोटरों, निदेशकों एवं कर्मचारियों के परिसरों पर की गई है। ईडी के मुताबिक ईडी की मुंबई जोनल विंग (जोनल ऑफिस-क) की टीमों द्वारा की गई इस कार्रवाई के तहत यस बैंक के एक पूर्व कर्मचारी के ठिकाने पर भी तलाशी ली गई।

डीजल व विमान ईंधन के निर्यात पर उत्पाद शुल्क फिर बढ़ा

नई दिल्ली, 16 जून। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बदलते वैश्विक आर्थिक हालात के बीच केंद्र सरकार ने डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर उत्पाद शुल्क बढ़ाने का फैसला किया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार नई दरें 16 जून 2026 से पूरे देश में लागू हो गई हैं। सरकार का कहना है कि यह फैसला अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले अतिरिक्त मुनाफे को संतुलित करने के उद्देश्य से लिया गया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है

नई दरें

- नई दरें आज से लागू, घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर कोई असर नहीं

कि इसका घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। नई व्यवस्था के तहत विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर उत्पाद शुल्क में सबसे अधिक तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। इसके बाद यह शुल्क 9.50 रुपये से बढ़कर 12.50 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल के निर्यात शुल्क में 50 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर इसे 13.50 रुपये से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह पहले की तरह 1.50 रुपये प्रति लीटर ही रहेगा।

गौरतलब है कि सरकार ने एक जून को हुई पाक्षिक समीक्षा में इन शुल्कों में उल्लेखनीय कटौती की थी। उस समय वैश्विक बाजार में नरमी के चलते एटीएफ, डीजल और पेट्रोल के निर्यात शुल्क घटाए गए थे।

नीट परीक्षा से पहले बड़ा फैसला, 22 जून तक टेलीग्राम प्लेटफॉर्म पर रोक

नई दिल्ली, 16 जून। नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने के लिए केंद्र सरकार ने देशभर में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म पर 22 जून तक अस्थायी पाबंदियां लागू कर दी हैं। यह फैसला नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत लिया है। सरकार के अनुसार, यह कदम परीक्षा से पहले कथित पेपर लीक, फर्जी दावों, नकल कराने वाले गिरोहों और भ्रामक संदेशों पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके अलावा टेलीग्राम को 30 जून तक भारत में अपना मैसेज-एडिटिंग फीचर भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है, क्योंकि जांच एजेंसियों के अनुसार इस फीचर का इस्तेमाल डिजिटल सबूतों से छेड़छाड़ और फर्जी दावे करने में किया जा रहा था। एनटीए ने बताया कि इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर, राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों ने मिलकर परीक्षा से जुड़ी धोखाधड़ी फैलाने वाले कई टेलीग्राम चैनलों और बॉट्स के खिलाफ कार्रवाई की है।

जबलपुर नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी के घर ईओडब्ल्यू का छापा, संपत्ति से जुड़े अहम दस्तावेज जब्त

जबलपुर, 16 जून (हि.स.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर नगर निगम में प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर पदस्थ पोला राव के घर मंगलवार को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की टीम ने छापामार कार्रवाई शुरू की है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत के आधार पर न्यायालय से सर्च वारंट प्राप्त करने के बाद ईओडब्ल्यू ने यह कार्रवाई की।

इस दौरान संपत्ति से कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से आंध्र प्रदेश निवासी पोला राव वर्तमान में सिविल लाइन स्थित नगर निगम स्वास्थ्य कार्यालय में पदस्थ हैं। ईओडब्ल्यू जबलपुर की टीम ने मंगलवार सुबह विजय नगर के मुस्कान प्लाजा में स्थित उनके आवास सहित अन्य संबंधित स्थानों पर एक साथ दबिश दी। इसके अलावा नगर निगम से जुड़े एक ठेकेदार के घर पर भी जांच की जा रही है। ईओडब्ल्यू के डीएसपी मनजीत सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ईओडब्ल्यू को जबलपुर में उनके नाम एक फ्लैट और करीब 10 हजार वर्गफुट का प्लॉट मिलने की जानकारी मिली है। जांच के दौरान आंध्र प्रदेश में करीब एक एकड़ कृषि भूमि होने के दस्तावेज भी सामने आए हैं। इसके अलावा 15 से 16 लाख रुपये कीमत के चार दोपहिया वाहन और एक चारपहिया वाहन भी मिले हैं।डीएसपी मनजीत सिंह के अनुसार, टीम ने बैंक खातों, बीमा पॉलिसियों और नकद लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

फिलहाल सभी संपत्तियों और निवेश का मूल्यांकन किया जा रहा है तथा आय और संपत्ति के बीच अंतर का आकलन किया जा रहा है। पोला राव की बहन और बहनोई भी जबलपुर में रहते हैं। उनका मकान नजूल भूमि पर बना होना बताया जा रहा है, जिसकी भी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि वर्तमान में पोला राव के पास नगर निगम के वार्ड क्रमांक 6, 8, 9 और 10 का प्रभार है। ईओडब्ल्यू अधिकारियों का कहना है कि देर शाम तक जांच के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि पोला राव कुल कितनी संपत्ति के मालिक हैं और उनकी आय के मुकाबले संपत्ति कितनी अधिक है।

जम्मू में एलओसी के पास लैंडमाइन धमाका, सेना के चार जवान घायल

राजौरी, 16 जून। जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में मंगलवार को लाइन ऑफ कंट्रोल के पास हुए एक धमाके में सेना के चार जवान घायल हो गए, जिनमें एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर भी है। अधिकारियों के मुताबिक यह धमाका नौशेरा सेक्टर के अग्रिम कलाल इलाके में सेना के जवानों की ओर से 'एरिया डोमिनेशन पेट्रोल' (इलाके में गश्त) के दौरान गलती से एक लैंडमाइन के सक्रिय हो जाने से हुआ। उन्होंने बताया कि धमाके में एक जूनियर कमीशन अफसर और तीन सैनिक घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि घुसपैठ-रोधी अभियान के तहत अग्रिम इलाकों में लैंडमाइन बिछाई जाती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं, जिससे ऐसे हादसे हो जाते हैं।

न्याय की उम्मीद टूटने पर राजधानी में बार-बार दोहराया गया खौफनाक विरोध

नौ वर्षों में 57 आत्मदाह के प्रयास, सुशासन पर उठे सवाल

सत्य प्रकाश भारती

लखनऊ, 16 जून। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अपने नौ वर्षों के कार्यकाल में सुशासन, त्वरित न्याय और जवाबदेह प्रशासन को प्रमुख उपलब्धि के रूप में पेश करती रही है। मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री, सांसद और विधायक तक नियमित जनता दरबार लगाते हैं, जबकि तहसीलों में प्रत्येक सप्ताह समाधान दिवस और तहसील दिवस के माध्यम से लोगों की शिकायतों के निस्तारण का दावा किया जाता है। इसके बावजूद राजधानी लखनऊ में विधानसभा, लोकभवन और मुख्यमंत्री आवास के बाहर आत्मदाह और आत्मदाह के प्रयासों की लगातार सामने आती घटनाएं इन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। प्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017 से दिसंबर

गंभीर प्रश्न

- नौ वर्षों में अलग-अलग जिलों से आए फरियादियों ने उठाया आत्मघाती कदम, 4 ने गंवाई जान
- विधानभवन, लोक भवन और मुख्यमंत्री आवास बनते रहे न्याय की अंतिम चौखट जनता दरबार, समाधान दिवस और तहसील दिवस के बावजूद नहीं थमा सिलसिला

2022 के बीच 35 लोगों ने आत्मदाह अथवा आत्मदाह का प्रयास किया, जिनमें चार लोगों की मौत हुई। इसके बाद वर्ष 2023 से जून 2026 तक सामने आए मामलों में 22 और लोगों ने राजधानी में आत्मदाह का प्रयास किया। इस प्रकार बीते नौ वर्षों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 57 तक पहुंच गई है।

अधिकांश मामलों में पीड़ितों ने पुलिस की निष्क्रियता, भूमि विवाद, पारिवारिक उत्पीड़न अथवा शिकायतों पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाया और न्याय की अंतिम उम्मीद लेकर राजधानी का रुख किया। सबसे ताजा मामला 15 जून 2026 का है, जब हरदोई के संडीला से आई मां-बेटी ने विधानसभा के सामने पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया। उनका आरोप था कि चोरी और मारपीट के मामले में स्थानीय पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। पुलिस की सतर्कता से दोनों को बचा लिया गया।

इसी महीने सिटी बस के चार परिचालकों ने निजीकरण और रूट ट्रांसफर के विरोध में गोल्फ चौराहे पर आत्मदाह का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने समय रहते उन्हें रोक लिया।

उड़ान भरते ही अमेरिकी बी-52 बॉम्बर क्रैश, आठ लोगों की मौत

वाशिंगटन, 16 जून। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस से नियमित परीक्षण उड़ान पर निकला अमेरिकी वायुसेना का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बॉम्बर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना सोमवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब 11:20 बजे हुई।

अधिकारियों के अनुसार, विमान क्रैश होते ही उसमें भीषण आग लग गई। 412वें टेस्ट विंग के डिप्टी कमांडर कर्नल जेम्स हेस ने कहा कि हादसा इतना गंभीर था कि किसी के भी बचने की संभावना नहीं थी। मृतकों में वदीर्धारी सैनिक, सरकारी कर्मचारी और सरकारी ठेकेदार शामिल हैं। सभी परिजनों को सूचना देने के बाद ही मृतकों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने भी पुष्टि की है कि हादसे में उसके दो कर्मचारियों की मौत हुई है।

कंपनी ने शोक जताते हुए कहा कि वह प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। दुर्घटना के बाद एयरफील्ड को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और सभी परीक्षण उड़ानों पर रोक लगा दी गई है।अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है, जिसे पूरा होने में कई महीने लग सकते हैं। बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस अमेरिकी वायुसेना का लंबी दूरी का रणनीतिक बॉम्बर है।

1950 के दशक से सेवा में मौजूद यह विमान पारंपरिक और परमाणु दोनों प्रकार के हथियार ले जाने में सक्षम है तथा अमेरिकी सैन्य शक्ति का अहम हिस्सा माना जाता है।

स्कूल चले हम अभियान के तहत बाल विनय मंदिर पहुंचे कलेक्टर

सफलता के लिए कम्युनिकेशन स्किल, कला और निरंतर सीखने की आदत जरूरी: कलेक्टर वर्मा

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में मंगलवार को स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर शिवम वर्मा आज शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाल विनय मंदिर पहुंचे। यहाँ उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया। बच्चों से सीधा संवाद किया और उन्हें स्कूल बैग, वाटर बॉटल सहित अन्य जरूरी सामग्री वितरित की।

उन्होंने बच्चों को उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में कलेक्टर ने विद्यार्थियों से खुलकर चर्चा की और उन्हें सफलता, नेतृत्व क्षमता, कला, करियर निर्माण तथा बदलती तकनीक के साथ स्वयं को निरंतर अपडेट रखने के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। संवाद के दौरान कलेक्टर वर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल अकादमिक शिक्षा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि प्रभावी संवाद कौशल (कम्युनिकेशन स्किल) और नेतृत्व क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा लीडर वही होता है जो अपने साथ काम करने वाले लोगों के लक्ष्य, उनकी आवश्यकताओं और उनकी सोच को समझकर उन्हें प्रेरित कर सके तथा सही दिशा दिखा सके।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं है, बल्कि यह जीवन के अनेक महत्वपूर्ण कौशल सीखने का मंच भी है। मित्रों, शिक्षकों और सहपाठियों के साथ संवाद करते हुए बच्चों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता, टीमवर्क और नेतृत्व जैसे गुण विकसित होते हैं, जो आगे चलकर उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कलेक्टर ने कला, संगीत, नृत्य, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि समाज में अक्सर इन गतिविधियों को केवल सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के रूप में देखा जाता है, जबकि वर्तमान समय में ये उत्कृष्ट करियर विकल्प के रूप में भी उभरकर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि कला के विभिन्न माध्यम व्यक्ति की संवेदनशीलता, रचनात्मकता और सोच को विकसित करते हैं तथा मानसिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि किसी क्षेत्र में रुचि हो तो उसे पूरे समर्पण और ईमानदारी के साथ अपनाना चाहिए। किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और लंबे समय तक लगातार मेहनत करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता और हर उपलब्धि के पीछे कठोर परिश्रम छिपा होता है।

अपने अनुभव साझा करते हुए वर्मा ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी आसान नहीं होती। तैयारी के दौरान कई तरह की चुनौतियों और असफलताओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन जो व्यक्ति धैर्य बनाए रखता है और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है, वह अंततः सफलता प्राप्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को चुनौतियों से घबराने के बजाय उनसे सीख लेने की सलाह दी। कलेक्टर वर्मा ने यह भी कहा कि जिस क्षेत्र में विद्यार्थी अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, उससे जुड़े विशेषज्ञों और अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन अवश्य प्राप्त करें। सही दिशा और उचित सलाह से लक्ष्य प्राप्त करने की राह आसान हो जाती है तथा समय और ऊर्जा का बेहतर उपयोग संभव हो पाता है। उन्होंने तकनीक के तेजी से बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए वर्मा ने कहा कि आज का युग निरंतर सीखने का युग है। उन्होंने अपने छात्र जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि समय के साथ तकनीक में कितने बड़े बदलाव आए हैं और आने वाले वर्षों में भी यह परिवर्तन लगातार जारी रहेगा। ऐसे में विद्यार्थियों को नई तकनीकों, नए उपकरणों और नई जानकारियों को सीखने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और व्यक्ति को जीवनभर नई चीजें सीखते रहना चाहिए। जो लोग समय के साथ स्वयं को अपडेट रखते हैं, वही भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो पाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने, सकारात्मक सोच विकसित करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी लगन से प्रयास करने का संदेश दिया।

कोयला भरे ट्रक मोड पर आमने-सामने टकराए, 4 घंटे तक आवागमन रहा प्रभावित

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यालय में मंगलवार को कृषि उपज मंडी मोड़ के समीप कोयल परिवहन कर रहे दो ट्रक आमने-सामने टकरा गए। जिससे सड़क पर लगभग 4 घंटे तक यातायात जाम की स्थिति बन गई। इसके बाद क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से किनारे किया गया तब जाकर के यातायात बहाल हो पाया।

जानकारी अनुसार आज अनूपपुर जिला मुख्यालय में चचाई मार्ग पर ट्रक क्रमांक सीजी एन एक्स 1419 जो की चचाई की तरफ से अनूपपुर की ओर आ रहा था वहीं सामने से कोयला भर कर ट्रक क्रमांक सीजी 10 बी आर 9890 अनूपपुर से चचाई रोड की ओर जा रहा था दोनों ही वाहन तेज रफ्तार में होने के कारण कृषि उपज मंडी मोड़ के पास अनियंत्रित होकर के दुर्घटनाग्रस्त हो गए। जिससे लगभग 4 घंटे तक मार्ग पर दोनों वाहनों के खड़े होने से यातायात जाम की स्थिति निर्मित हो गई। सूचना मिलने के बाद यातायात और कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और क्रेन के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त ट्रैकों को सड़क से हटाया गया। इस दौरान छोटे वाहन साइड से निकलते रहे लेकिन बड़े वाहन यातायात जाम में फंसे रहे।

शराब पीने से रोका तो मंदिर संचालक की कर दी हत्या

अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, आरोपी हिरासत में

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में मंगलवार अलसुबह एक मंदिर संचालक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मंदिर में शराब पीकर आने से मना करने पर नाराज एक कर्मचारी ने संचालक पर डंडे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल वृद्ध की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 4:30 बजे की है। मृतक कैलाश मोदी (70) मंदिर का संचालन करते थे। मंदिर में कार्यरत मुकेश शर्मा शराब पीने का आदी है और अक्सर नशे की हालत में मंदिर पहुंचकर विवाद करता था। इस बात को लेकर कैलाश मोदी उसे कई बार समझाइश दे चुके थे, लेकिन उसकी आदत में सुधार नहीं आया। मंगलवार सुबह भी मुकेश शर्मा नशे की हालत में मंदिर पहुंचा। कैलाश मोदी ने उसे शराब पीकर मंदिर आने से रोका और संयम बरतने की सलाह दी। इसी बात से गुस्साए मुकेश ने अपना आपा खो दिया। वह डंडा लेकर कैलाश मोदी के पीछे दौड़ा और उनके सिर पर कई वार कर दिए। हमले में कैलाश मोदी गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

एसीपी शिवेंदु जोशी ने बताया कि हत्या के आरोपी मुकेश शर्मा को हिरासत में ले लिया गया है। प्रारंभिक जांच में शराब के नशे में हुए विवाद को घटना का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है।

सर्प दंश से नव विवाहिता एवं युवक की उपचार दौरान मौत

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मंगलवार को सांप दंश से 2 लोगों की मौत हो गई, वहीं एक की गंभीर हालात में चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती किए कराया गया हैं।

जहरीले सांप के काटने से उपचार दौरान नव विवाहिता की मौत हो गई, जबकि युवक की कोतमा अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। वहीं दूसरे युवक के मां को सांप काटने से गंभीर हालात में भर्ती कराया गया हैं , जिसे चिकित्सकों द्वारा खतरे से बाहर होना बताया गया है। जानकारी के अनुसार शहडोल जिले के बुढार थाना अंतर्गत सरईकापा गांव में सोमवार की रात 24 वर्षीय सरिता पत्नी अवधेश चौधरी मायके में घर के पीछे बांड़ी में गई थी तभी अचानक एक अज्ञात अत्यंत जहरीले सांप ने सरिता के जांघ के पास डंस दिया जिस पर सरिता के तेजी से आवाज करने पर पिता एवं परिजन बाहर निकल कर बांडी में सांप की खोजबीन किए जाने पर सांप के नहीं मिलने सरिता की हालत खराब होते देखकर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में उपचार हेतु भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान मंगलवार को मृत्यु हो गई।

जन-सुनवाई में दो जरूरतमंद महिलाओं को मिली आर्थिक मदद

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में मदद की आस में पहुंची दो जरूरतमंद महिलाओं को सहारा मिला है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने दोनों को तात्कालिक आर्थिक मदद उपलब्ध कराई है। साथ ही उन्हें शासन की योजनाओं के तहत सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। जन-सुनवाई में इस बार 132 लोगों की सुनवाई हुई।

मंगलवार को जन-सुनवाई में पहुँचे लोगों की जल्द से जल्द सुनवाई करने के लिये कलेक्टर रुचिका चौहान ने आवेदकों को अपने कक्ष में बुलाकर समस्यायें सुनीं। साथ ही कलेक्ट्रेट के सभागार में अपर जिला दण्डाधिकारी सीबी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने हर बार की तरह जन सामान्य की समस्यायें सुनकर उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में धौकलपुरा सिकन्दर कम्पू निवासी रेखा कुशवाह अपने लगभग डेढ़ महीने के बच्चे को लेकर मदद की आस में पहुँचीं थीं। उन्होंने कलेक्टर को अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि मेरे बच्चे को डॉक्टर ने किडनी की बीमारी बताई है। जिसके इलाज पर बड़ा खर्चा आयेगा। मेरा परिवार इसको लेकर बहुत परेशान है। कलेक्टर ने रेखा कुशवाह को ढांढस बंधाया। उन्होंने तात्कालिक आर्थिक मदद उपलब्ध कराई। साथ ही सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि रेखा कुशवाह के बच्चे का इलाज एम्स भोपाल में कराने के लिये रेफरल सुविधा उपलब्ध कराएं। इसके अलावा रेखा कुशवाह के पति का श्रमिक कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए। इस कार्ड के आधार पर उन्हें अन्य आर्थिक मदद भी मिल सकेगी।

इसी तरह बापूदंडी की गोठ माधौगंज निवासी रितु डेमला को भी कलेक्टर ने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद उपलब्ध कराई है। रितु डेमला के पति का हाल ही में देहांत हो गया था। उन्होंने कलेक्ट्रेट में पहुँचकर अपनी परेशानी बताते हुए कहा था कि पति के असमय निधन से पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने में मुझे परेशानी आ रही है। कलेक्टर ने तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें स्वरोजगार के लिये सरकार की योजनाओं के तहत सहायता उपलब्ध कराने का प्रकरण तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में प्राप्त हुए 132 आवेदनों में से 76 आवेदन दर्ज किए गए। शेष 56 आवेदन निराकरण के लिये सीधे ही संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। इन आवेदनों को समय-सीमा में निराकरण करने के लिये कहा गया है।

लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, कलेक्टर कार्यालय का रीडर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जबलपुर। लोकायुक्त पुलिस जबलपुर की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सिवनी स्थित एडीएम कार्यालय में पदस्थ रीडर को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी एक प्रकरण में आवेदक के पक्ष में निर्णय कराने के नाम पर घूस की मांग कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, छपारा निवासी संतोष सिंह सिसोदिया की पैतृक भूमि पर जामुन सहित अन्य वृक्ष लगे हुए थे, जिनका उल्लेख खसरे के कॉलम नंबर-12 में दर्ज था। कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पेड़ काटे जाने की सूचना उन्होंने संबंधित थाने में दी थी। इसी मामले को लेकर विरोधी पक्ष ने एसडीएम कार्यालय लखनादौन में शिकायत की, जहां आवेदक के विरुद्ध आदेश पारित कर दिया गया।

एसडीएम के आदेश के खिलाफ संतोष सिंह सिसोदिया ने एडीएम कार्यालय में अपील प्रस्तुत की थी। आरोप है कि एडीएम कार्यालय में पदस्थ रीडर माधव प्रसाद तिवारी ने अपीलकर्ता के पक्ष में फैसला कराने के एवज में 30 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। बाद में सौदा 20 हजार रुपये में तय हुआ। शिकायत मिलने पर लोकायुक्त पुलिस जबलपुर ने सत्यापन के बाद मंगलवार 16 जून को जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान रीडर माधव प्रसाद तिवारी को एडीएम कार्यालय सिवनी में 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रैप कार्रवाई में निरीक्षक उमा कुशवाह, निरीक्षक बृजमोहन सिंह नरवरिया सहित लोकायुक्त जबलपुर की टीम शामिल रही।

शराब पीने के दौरान हुए विवाद में बैंककर्मी की हत्या

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक निजी बैंक में कार्यरत युवक की उसके ही दोस्त ने शराब की बोतल और पानी की मोटर से हमला कर हत्या कर दी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई, जबकि घटना के बाद आरोपी परिवार सहित फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार घटना पंचवटी कॉलोनी (साहूनगर क्षेत्र) की है। मृतक की पहचान जितेंद्र पुत्र फूलचंद मीणा (38) के रूप में हुई है, जबकि हत्या का आरोप उसके परिचित धर्मेंद्र पंवार पर है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच लंबे समय से मित्रता थी और अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे।

एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह एवं थाना प्रभारी वरेन्द्र कुशवाह ने बताया कि जितेंद्र एक निजी बैंक में कार्यरत था। मंगलवार को उसकी छुट्टी थी और वह घर पर मौजूद था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला उसका परिचित धर्मेंद्र पंवार उसके घर पहुंचा। दोनों ने साथ बैठकर शराब पीना शुरू किया। घटनास्थल से बीयर और शराब की

आरोपी वारदात के बाद परिवार सहित फरार, पुलिस तलाश में जुटी

खाली बोतलें भी बरामद हुई हैं, जिससे स्पष्ट है कि दोनों ने काफी देर तक शराब का सेवन किया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। शराब के नशे में शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गुस्से में आए धर्मेंद्र ने पहले शराब की बोतल जितेंद्र के सिर पर दे मारी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद भी आरोपी का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उसने पास में रखी पानी भरने वाली मोटर उठाकर जितेंद्र पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर पर लगातार किए गए हमलों से जितेंद्र लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी वहां से भाग निकला।

स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वारदात के बाद धर्मेंद्र पंवार खून से सने कपड़ों और जूतों में तेजी से अपने घर की ओर भागता दिखाई दिया। कुछ लोगों ने उसे घबराई हुई हालत में इलाके से निकलते हुए भी देखा। बताया जा रहा है कि घटना के कुछ समय बाद आरोपी अपने परिवार के साथ घर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार मृतक जितेंद्र मीणा का वैवाहिक जीवन भी लंबे समय से सामान्य नहीं था। करीब सात वर्ष पहले उसकी पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। इसके बाद से वह घर में अकेला रह रहा था। बैंक की नौकरी के साथ वह सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा था। परिजनों और परिचितों के अनुसार जितेंद्र शांत स्वभाव का व्यक्ति था। उसकी अचानक हुई मौत से परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी धर्मेंद्र पंवार घरों में खिड़की-दरवाजों पर प्लास्टिक की मच्छर जाली लगाने का काम करता है। वह मृतक के घर के आसपास ही रहता था और दोनों के बीच अच्छी पहचान थी। घटना की सूचना मिलते ही एरोड्रम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे की वास्तविक वजह आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

युवा कांग्रेस और एनएसयूआई ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में राज्य सभा के लिए कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में मंगलवर को दो जगहों जिला युवा कांग्रेस भालूमाड़ा में एवं कोतमा नगर में एनएसयूआई ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर भाजपा एवं चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। साथ ही राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर लोकतंत्र की रक्षा तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की गई।

जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत ने लोकतंत्र की आत्मा को घायल करने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और चुनाव आयोग के हाथ लोकतंत्र के खून से सने हुए हैं। संविधान की मयार्दाओं को तार-तार करते हुए कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। कोतमा नगर में एनएसयूआई कार्यकताओं ने कांग्रेस राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराते हुए भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन तहसीदार कोतमा को सौंपा। ज्ञापन में मांग करते हुए लेख किया गया कि विपक्षी दलों के प्रत्याशियों को सत्ता के दबाव में चुनाव प्रक्रिया से बाहर करने की तानाशाही प्रवृत्ति पर तत्काल रोक लगाई जाए। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली एवं निष्पक्षता की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए।

सरकारी स्कूलों में उत्साहपूर्वक मना शाला प्रारंभ उत्सव, कलेक्टर ने छात्राओं को बताए सफलता के सूत्र

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में मंगलवार को ₹स्कूल चलें हम₹ अभियान के तहत सरकारी विद्यालयों में ₹शाला प्रारंभ उत्सव₹ का उत्साहपूर्ण आगाज हुआ। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुरार में आयोजित हुए हर्षोल्लासपूर्ण कार्यक्रम में कलेक्टर रुचिका चौहान ने स्वयं उपस्थित होकर छात्राओं को सफलता के महत्वपूर्ण सूत्र बताए। साथ ही उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिये भी प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में असंभव कुछ नहीं होता, बस प्रयास निरंतर होने चाहिए। दीप प्रज्ज्वलन से शुभारंभ हुए इस कार्यक्रम में कलेक्टर ने नवप्रवेशी छात्राओं का रोली-चंदन के तिलक और पुष्पाहार से स्नेहपूर्ण स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं को सफलता के व्यावहारिक मंत्र भी बताए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच रखें, गुरुजनों से बेझिझक प्रश्न पूछें और अपने संशय दूर करें, साप्ताहिक पुनरावृत्ति (रिवीजन) की आदत बनाएं, रटें कम - समझें अधिक और पढ़ाई के साथ-साथ खेल, पेंटिंग व रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लें।

कलेक्टर रुचिका चौहान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि परीक्षा में अपेक्षित परिणाम न मिले तो हताश होने की आवश्यकता नहीं। इसे एक अवसर मानें और आत्मावलोकन करें। साथ ही जहाँ कमी रह गई, वहाँ अतिरिक्त परिश्रम से उसे दूर करें, इससे सफलता अवश्य कदम चूमेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बच्चे जब कोई सरल प्रश्न भी पूछें तो उन्हें हतोत्साहित न करें, क्योंकि आपकी सकारात्मक ऊर्जा ही उनका सबसे बड़ा संबल है। शब्दों का चयन सावधानी से करें। शिक्षक का एक वाक्य किसी बच्चे की पूरी दिशा बदल सकता है। उन्होंने भावपूर्ण स्वर में यह भी साझा किया कि उनकी अपनी सफलता में माता-पिता और गुरुजनों के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद की निर्णायक भूमिका रही है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी पुष्पा द्व्योड़ी, जिला परियोजना समन्वयक रविन्द्र सिंह तोमर, विद्यालय के प्राचार्य बृजकिशोर पिपरोलिया सहित अन्य आचार्यगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। जिला शिक्षा अधिकारी ने पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंट कर कलेक्टर का स्वागत किया। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 16 जून को जिले के अनेक अन्य विद्यालयों में भी ₹शाला प्रारंभ उत्सव₹ हर्षोल्लास से मनाए गए, जहाँ जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहुँचकर नवप्रवेशी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

जनसुनवाई में समस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

किसी को नौकरी तो किसी को मिली आर्थिक सहायता

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में अपने पिता संतोष खाजेकर के साथ पहुंची मेधावी छात्रा कृष्णा खाजेकर ने बताया कि उन्होंने माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वे प्रदेश की मेरिट सूची में नवें स्थान पर तथा इंदौर जिले में प्रथम स्थान पर रही हैं। छात्रा की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर वर्मा ने उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही प्रोत्साहन स्वरूप उन्हें लैपटॉप उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर छात्रा के पिता संतोष खाजेकर ने कहा कि उनकी पुत्री की शिक्षा के प्रति लगन और समर्पण को देखते हुए उन्होंने संकल्प लिया है कि वे हर परिस्थिति में उसकी पढ़ाई जारी रखेंगे तथा उसके सपनों को साकार करने में कोई कमी नहीं आने देंगे। कलेक्टर ने छात्रा के भविष्य के लिए शासन-प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस पर संतोष खाजेकर एवं कृष्णा खाजेकर ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में पहुंची दीपाली राठौड़ ने कलेक्टर वर्मा को अपनी समस्या बताते हुए कहा कि वे शिक्षित हैं, किन्तु वर्तमान में रोजगार के अभाव एवं आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही हैं। प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस पहल से प्रसन्न होकर दीपाली राठौड़ ने जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

एक अन्य प्रकरण में उर्मिला सुनहरे जनसुनवाई में विशेष रूप से कलेक्टर वर्मा एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित करने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि गत जनसुनवाई में उन्हें आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराई गई थी, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने प्रशासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है।

साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रिंकेश वैश्य ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

मप्र सबसे पहले हुआ नक्सलमुक्त, प्रधानमंत्री ने की हर मामले में प्रदेश के अग्रणी रहने की प्रशंसा : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश में सबसे पहले मध्य प्रदेश ने ही नक्सलवाद को समाप्त किया है। लाल सलाम को आखिरी सलाम करने में मध्य प्रदेश ने बाजी मारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 जून को नई दिल्ली में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में मध्य प्रदेश सरकार के विकास के हर मामले में सदैव अग्रणी रहने की क्रियाशीलता की सराहना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय 'विकसित भारत के लिये समावेशी मानव विकास' था। पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद् की बैठक में भाग लिया।मुख्यमंत्री ने बताया कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों की साझी भागीदारी, समन्वित प्रयासों तथा विकास के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। देश के जो क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां विकास की गति तेज करने पर चर्चा हुई। भविष्य में युवाओं के विकास पर सरकार का विशेष रूप से जोर रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी को मध्य प्रदेश में आयुष्मान योजना, नदी जोड़ो परियोजनाओं के क्रियान्वयन, पीएम मित्र पार्क निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह मप्र सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में मिली विशेष उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में हो रहे उच्च कोटि के कामों की भी प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में नीति निर्माण

जनसामान्य के सुझावों मांगे जा रहे हैं। अच्छी नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाये जायें।

उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। समान नागरिक संहिता की वेबसाइट पर सुझाव देने की प्रक्रिया भी बहुत सरल है। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण से कहा कि वे अपने-अपने प्रभार के जिलों में समान नागरिक संहिता के संबंध में और उसमें सुझाव देने के लिये अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रदेश में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। विश्व के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग अपना चुके है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिये योग' रखी गई है। केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए निर्धारित गतिविधियों का प्रदेश में अक्षरशः पालन किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग को मुंबई में आयोजित प्रतिष्ठित '10वें डेसिनियल एक्जीबिशन एक्सीलेंस अवार्ड्स (ईईए) 2026' में स्कॉन्फ्रेंस मैनेजमेंट में उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ है। एमपी टूरिज्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना प्रदेश के लिये एक बड़ी उपलब्धि है।

इस देश के इवेंट, एक्जीबिशन और माइस (टक्सप - मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंसिंग एंड एक्जीबिशन) सेक्टर के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक माना जाता है। पर्यटन निगम को यह राष्ट्रीय पुरस्कार राज्य में 20 से भी ज्यादा राष्ट्रीय और राज्य महत्व के बड़े सम्मेलनों के सफल एवं बेहतरीन प्रबंधन के लिए दिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए विभागीय मंत्री एवं अधिकारियों को बधाई दी।

बेहतर प्रबंधन और कुशलता के साथ संपन्न कराएं नीट परीक्षा, कहीं भी न रहे कोई कमी : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीट पुनर्परीक्षा को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नीट राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इसके लिए सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। बेहतर प्रबंधन एवं कार्य कुशलता से पूरी पारदर्शिता के साथ यह परीक्षा सम्पन्न कराएं। परीक्षा के आयोजन में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी या त्रुटि न रहे। मुख्यमंत्री मोहन यादव मंगलवार को मंत्रालय में नीट (अंडर ग्रेजुएट) परीक्षा-2026 की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा कर रहे थे। यह परीक्षा 21 जून को होने जा रही है। यह परीक्षा मध्य प्रदेश के 30 जिलों के 283 परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न कराई जाएगी। नीट परीक्षा की कुल अवधि 'सवा तीन घंटे' की होगी। इस बार सभी परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परीक्षा कराने में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। मुख्यमंत्री ने नीट परीक्षा के समन्वयक को निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केन्द्रों में लगाई जाने वाली बायोमैट्रिक मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर 19 जून को ही परीक्षा केन्द्रों में लगा दिए जाएं और 20 जून को इनका ट्रायल रन भी कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि 21 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का जबलपुर प्रवास प्रस्तावित है। जबलपुर शहर में 24 केंद्रों में नीट परीक्षा होनी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी यातायात का ऐसा प्रबंधन करें कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में सुगमता से पहुंच जाएं।

उन्होंने कहा कि चूंकि नीट परीक्षा के दिन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन भी होने हैं। इन आयोजनों के कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। यातायात का बेहतर नियोजन करें। सुनिश्चित करें कि सभी परीक्षार्थी तय समय से पहले तक केन्द्रों में पहुंच जाएं। किसी परीक्षार्थी को यदि सेंटर तक पहुंचने में आवागमन के साधन की परेशानी आ रही है तो प्रशासन और पुलिस अधिकारी किसी शासकीय वाहन या खुद अपने वाहन से उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परीक्षा केंद्रों वाले सभी 30 जिलों के कलेक्टर-एसपी एवं परीक्षा सम्पन्न कराने की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि नीट परीक्षा की तैयारियों के लिए उपयोग में लाई गई एसओपी अब प्रदेश में होने वाली सभी परीक्षाओं में उपयोग में लाई जाएगी। परीक्षा केन्द्रों वाले जिलों के पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर परीक्षा की अब तक की तैयारियों की जानकारी दी। उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने परीक्षा की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि नीट परीक्षा आयोजन के लिए जिलास्तरीय समन्वय समिति का गठन कर इनकी बैठकें भी कर ली गई हैं।

समरस समाज के लिए समता का भाव आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समाज में समता के भाव का विशेष महत्व है। विभाजन की रेखाएं समाप्त करने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवनकाल में यह महत्वपूर्ण कार्य किया। मध्य प्रदेश और पंजाब के रिश्ते प्रगाढ़ होंगे, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न युक्तियों से समाजों, वर्गों और प्रदेशों को परस्पर जोड़ने के महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं।

इस क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने पंचतीर्थ के विकास की पहल की। इसके फलस्वरूप आज भारत के भिन्न-भिन्न राज्यों में डॉ. अंबेडकर के जीवन से जुड़े विभिन्न पावन स्थलों के समुचित विकास के लिए कार्य हो रहा है। श्रद्धालु नागरिक इन स्थानों की यात्रा के लिए उत्सुक हुए हैं। सामाजिक समरसता का नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को गत 14 मई से मोहाली (चंड़ीगढ़) से प्रारंभ पंचतीर्थ यात्रा के यात्रियों का मुख्यमंत्री निवास में स्वागत कर रहे

मुख्यमंत्री निवास में पंजाब के तीर्थयात्रियों का हुआ आत्मीय स्वागत

थे। यह यात्रा आगामी 21 जून को दिल्ली में पूर्ण होगी। यात्रा के स्थानों में डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली डॉ. अंबडेकर नगर (महू), दीक्षा भूमि नागपुर, इंदु मिल मुंबई, निर्वाण स्थल दिल्ली शामिल हैं। यात्रा के संयोजक एस.आर. लद्धड़ और सह-संयोजक श्री मनोज चंदल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति आवश्यक है। सभी वर्गों का आपसी सद्भाव महत्वपूर्ण है। अनेक दल और व्यक्ति सिर्फ समाज को बांटने और महापुरूषों के अपमान का कार्य करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सामाजिक समानता के भाव को स्थापित किया जा रहा है। डॉ. अंबेडकर के योगदान का स्मरण ही नहीं किया जा रहा बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने का कार्य भी किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से, अधिसूचना जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होगा। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा मंगलवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा अनुमोदित तदाशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र होगा। जारी अधिसूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र सोमवार, 20 जुलाई से आरंभ होकर शुक्रवार, 24 जुलाई तक चलेगा। इस पांच दिवसीय सत्र में महत्वपूर्ण शासकीय कार्य संपादित किए जाएगे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय में अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 24 जून, 2026 तथा अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 9 जुलाई,2026 तक प्राप्त की जाएंगी, जबकि स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण, नियम 267 - क के अधीन सूचनाएं विधानसभा में 14 जुलाई ,2026 से कार्यालय में पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 तक प्राप्त की जाएंगी।

नियुक्ति की मांग को लेकर डीपीआई का घेराव

चयनित अभ्यर्थियों का अनिश्चितकालीन आंदोलन

भोपाल। प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ ही शिक्षा व्यवस्था का एक बड़ा विरोधाभास राजधानी भोपाल में देखने को मिला। एक ओर सरकारी स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल लौट आई, वहीं दूसरी ओर नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हजारों चयनित शिक्षक लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के बाहर धरने पर बैठ गए। माध्यमिक शिक्षक (वर्ग-2) भर्ती 2024 के चयनित अभ्यर्थियों ने मंगलवार को अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया और आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि चॉइस फिलिंग प्रक्रिया पूरी हुए छह महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं किए गए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और अब

चयनित होने के बाद भी नौकरी के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने कहा कि वे पिछले कई महीनों में 9 से 10 बार भोपाल आ चुके हैं। शिक्षा मंत्री सहित विभागीय अधिकारियों से कई दौर की चर्चा हुई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। अभ्यर्थियों का आरोप है कि शिक्षा मंत्री ने स्वयं आश्वासन दिया था कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी, लेकिन सत्र शुरू होने के बावजूद नियुक्ति आदेश जारी नहीं हुए। एक अभ्यर्थी ने कहा, हमें कहा गया था कि स्कूल खुलने से पहले जॉइनिंग मिल जाएगी, लेकिन आज हम स्कूलों में पढ़ाने के बजाय सड़क पर बैठकर अपनी नौकरी मांग रहे हैं।

शहडोल से आए चयनित अभ्यर्थी सलमान ने बताया कि चयन सूची जारी होने और सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बावजूद नियुक्ति नहीं मिलने से वे सामाजिक और मानसिक दबाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, स्लोग लगातार पूछते हैं कि नौकरी कब ज्वाइन कर रहे हो। कई लोग तो यह तक कहने लगे हैं कि हम झूठ बोल रहे हैं। इस स्थिति ने हमें मानसिक रूप से परेशान कर दिया है। टीकमगढ़ के रमाकांत ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को चार साल से अधिक समय हो चुका है। परीक्षा, परिणाम और चयन तक के हर चरण में अभ्यर्थियों को आंदोलन करना पड़ा। स्हर सप्ताह हमें सिर्फ आश्वासन मिलता है। अब कई अभ्यर्थी यह तय करके आए हैं कि जब तक नियुक्ति नहीं होगी, तब तक भोपाल से वापस नहीं लौटेंगे। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी भी मौजूद रहीं। कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को साथ लेकर आंदोलन में शामिल हुईं। उनका कहना है कि वर्षों की मेहनत और चयन के बावजूद नियुक्ति नहीं मिलने से परिवारों पर आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ता जा रहा है।

श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री पटेल

भोपाल। मध्य प्रदेश में श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रमिक कल्याण से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। यह निर्देश मंगलवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मध्य प्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल तथा मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। नई श्रम संहिताएं श्रमिकों को नया संरक्षण प्रदान करते हुए उनके कल्याण के लिए संचालित व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाएंगी।

मंत्री पटेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप श्रम कल्याण संबंधी प्रावधानों को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जाए, जिससे कर्मचारी और नियोक्ता के मध्य बेहतर संबंध स्थापित हों और औद्योगिक विकास को गति मिले। श्रम मंत्री पटेल की पहल पर श्रमिकों के बच्चों के लिए 'मेधा छात्र उन्नयन छात्रवृत्ति योजना'। प्रारंभ करने का बड़ा निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत मध्य प्रदेश और सीबीएसई बोर्ड में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले 100 मेधावी विद्यार्थियों को 7,500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा, श्रमिकों को स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए प्रदेश के 422 संस्थानों में योग गतिविधियां चलाई जा रही हैं। बुरहानपुर और नरसिंहपुर में आदर्श श्रम कल्याण केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जबकि इंदौर और ग्वालियर में भी ऐसे केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। बैठक में जानकारी दी गई कि नई श्रम संहिताओं (वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं नियम-2026) के माध्यम से श्रमिकों को अधिक सुरक्षा और सुविधाएं मिलेंगी।

इसके तहत न्यूनतम वेतन का दायरा सभी वर्गों तक बढ़ाया गया है, मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह सुनिश्चित किया गया है तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्करों की सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान शामिल किए गए हैं।इसके साथ ही, असंगठित श्रमिकों के उपचार के लिए शीघ्र ही एक नई स्वास्थ्य सहायता योजना शुरू की जाएगी और पंजीकृत श्रमिकों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की जाएगी। निर्माण श्रमिकों के कल्याण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मंडल द्वारा प्रसूति सहायता योजना में 190.84 करोड़ रुपये और अनुग्रह सहायता में 23.36 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 92.95 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है।

बैठक में योजनाओं की बेहतर निगरानी के लिए तकनीकी नवाचारों को अपनाते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और पोर्टल का सिक्योरिटी ऑडिट कराने तथा मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने पर सहमति बनी। श्रमिकों तक सीधी मदद पहुंचाने के लिए 'श्रम साथी योजना' के तहत स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। नई शिक्षा नीति के अनुरूप भोपाल के पांच महाविद्यालयों में श्रम एवं कौशल आधारित शिक्षा की पायलट परियोजना भी शुरू की जाएगी। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

150 बीघा वन भूमि अतिक्रमण मुक्त, वन-राजस्व-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

शिवपुरी। मध्य प्रदेश में शिवपुरी जिले के सामान्य वनमण्डल द्वारा वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंगलवार को कोलारस में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 150 बीघा वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई वन, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा सभी वैधानिक प्रक्रियाएं पूर्ण करने के बाद की गई। वन विभाग के अनुसार, वन परिक्षेत्र कोलारस की सबरेंज कोलारस-बी अंतर्गत बीट सनवारा के आरएफ कक्ष क्रमांक 127 एवं 129 में लंबे समय से अवैध अतिक्रमण की शिकायतें थीं। प्रकरण में आवश्यक दस्तावेजी एवं कानूनी कार्रवाई पूरी होने के बाद सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी बेदखली आदेश के पालन में संयुक्त अमला मौके पर पहुंचा और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान तीन जेसीबी मशीनों एवं दो ट्रैक्टरों की सहायता से वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। साथ ही भविष्य में दोबारा अतिक्रमण रोकने के उद्देश्य से मौके पर कंटूर ट्रेंच का निर्माण भी कराया गया।

ट्विशा शर्मा मौत मामला : सास गिरिबाला और पति समर्थ की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में आरोपित पति समर्थ सिंह और सास सेवानिवृत्त जज गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ा दी गई है।दोनों को न्यायिक हिरासत की अवधि मंगलवार को समाप्त होने के बाद केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भोपाल की विशेष अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया और न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ाने की मांग की। इसके बाद अदालत ने सीबीआई का आवेदन स्वीकार करते हुए न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया।ट्विशा शर्मा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि गिरिबाला सिंह और समर्थ को पिछली सुनवाई के दौरान 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भोपाल के केन्द्रीय जेल भेज दिया गया था। सीबीआई ने मंगलवार को उन्हें अदालत में पेश किया।सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने अदालत को बताया कि जेल में उन्हें जो हिंदी और अंग्रेजी अखबार उपलब्ध कराए जा रहे हैं, उनमें उनके केस

से जुड़ी खबरें काटकर अलग कर दी जाती हैं। उन्हें पूरा अखबार पढ़ने को दिया जाए। साथ ही वकीलों से मुलाकात के लिए निर्धारित 20 मिनट की समय-सीमा समाप्त की जाए। मामले की प्रकृति को देखते हुए कानूनी सलाह के लिए अधिक समय की आवश्यकता है।गिरिबाला ने अदालत में यह भी मांग रखी कि उन्हें बेटे समर्थ सिंह के साथ एक ही समय पर अपने वकीलों से मिलने की अनुमति दी जाए।

इससे कानूनी रणनीति पर बेहतर समन्वय बन सकेगा। गिरिबाला सिंह ने अदालत के सामने आपत्ति जताते हुए कहा कि ट्विशा के परिजन और रिश्तेदार मीडिया में लगातार बयान दे रहे हैं। इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी कर उन्हें सार्वजनिक बयान देने से बचने को कहा जाए। जांच के दौरान ट्विशा की दवाइयां जब्त की गई थीं, लेकिन जब्ती पंचनामा (मेमो) की कॉपी गिरिबाला या समर्थ के वकीलों को नहीं दी गई। ये दिलवाई जाए। सुनवाई के दौरान गिरिबाला सिंह ने सीबीआई द्वारा पेश किए गए न्यायिक हिरासत बढ़ाने संबंधी आवेदन की कॉपी भी मांगी। अदालत के आदेश पर ये उनके वकीलों को दे दिए गए।अधिवक्ता दीक्षित ने कहा कि सीबीआई ने अदालत को बताया कि दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी तक एजेंसी को नहीं मिली है। यह रिपोर्ट जांच से जुड़ा महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसके बाद सीबीआई ने समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ाने का अनुरोध किया। अदालत ने आवेदन स्वीकार करते हुए दोनों आरोपितों की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ा दी।

मैहर में बड़ी कार्रवाई : नियमों के उल्लंघन पर पांच स्टोन क्रेशर सील, टास्क फोर्स का सख्त एक्शन

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में अवैध खनन और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर विदिशा मुखर्जी के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स समिति ने मंगलवार को विभिन्न स्टोन क्रेशरों का निरीक्षण कर नियमों का पालन नहीं करने वाले पांच स्टोन क्रेशरों को सील कर दिया। जांच के दौरान समिति ने पर्यावरणीय स्वीकृतियों, वृक्षारोपण, बाउंड्रीवॉल, खनिज भंडारण, स्वीकृत क्षेत्र, भूमि डायवर्सन, स्प्रिंकलर सिस्टम तथा अन्य पर्यावरणीय मानकों का गहन निरीक्षण किया। जांच में कई स्टोन क्रेशरों के पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाए गए। साथ ही पर्यावरण एवं खनिज विभाग के नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित इकाइयों पर ताला लगाकर उन्हें सील कर दिया।

टास्क फोर्स द्वारा जिन इकाइयों को सील किया गया, उनमें जय बजरंग स्टोन क्रेशर (तिलोरा), विंध्यवासिनी स्टोन क्रेशर (बठिया), मां शारदा स्टोन क्रेशर (रेउसा), अन्नपूर्णा स्टोन क्रेशर (सिरमीली) तथा साई स्टोन क्रेशर (बठिया) शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान एसडीएम दिव्या पटेल, तहसीलदार जितेंद्र कुमार, पर्यावरण अधिकारी जी.के. बैगा, महेंद्र सिंह, सहायक खनिज अधिकारी आशुतोष मिश्रा सहित राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारी, राजस्व निरीक्षक और पटवारी मौजूद रहे।

खुरई में आधुनिक और जलवायु अनुकूल खेती पर अंतरराष्ट्रीय मंथन शुरू

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में उपसंचालक कृषि के विशेष प्रयासों और कुशल मार्गदर्शन के चलते जिले के खुरई में एक उच्च स्तरीय कृषि कार्यशाला की शुरूआत हुई है।

'जीआईजेड जर्मन कोऑपरेशन' के माध्यम से आयोजित यह तीन दिवसीय इंडो-जर्मन वर्कशॉप मंगलवार से शुरू हुई ।इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में वैश्विक स्तर के कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और नीति निमार्ता शिरकत कर रहे हैं।वर्कशॉप में मुख्य रूप से जर्मनी से मिस्टर हेन्स क्लेन, कैमरून से मिस माइकल लाटा और कनाडा से मिस्टर जूलियन मेलार्ड पहुंचे हैं। इनके अलावा ऋक्षकेकी दिल्ली व मध्य प्रदेश की कोर टीम सहित कई अन्य गणमान्य डेलीगेट्स भी इस आयोजन का हिस्सा बने हैं।कार्यशाला के प्रथम दिवस (16 जून) को खुरई अनुभाग के विकासखंड बीना के ग्राम गुलौआ में एक विशेष फील्ड विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके बाद प्रतिनिधियों ने खुरई में अत्याधुनिक कृषि यंत्रों का लाइव डेमोंसट्रेशन (सजीव प्रदर्शन) देखा और क्षेत्र की प्रमुख कृषि यंत्र निर्माण इकाइयों का भ्रमण किया। दोपहर बाद खुरई विकासखंड के ग्राम बरोदिया नौनगिर में 'फार्मर इंटरेक्शन' (किसान संवाद) कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान विदेशी वैज्ञानिकों और स्थानीय किसानों के बीच सीधा संवाद हुआ। वैज्ञानिकों ने किसानों के पारंपरिक तौर-तरीकों को समझा और उन्हें आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी।फील्ड विजिट और संवाद

कार्यक्रम के दौरान विदेशी वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों के बीच निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला के दूसरे दिन यानी 17 जून को इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का विधिवत व भव्य उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न सत्रों (सेशन्स) में कृषि यंत्रीकरण, पारिस्थितिकी परिवर्तन, प्राकृतिक खेती, फसल अवशेष प्रबंधन और जलवायु अनुकूल कृषि जैसे गंभीर विषयों पर प्रेजेंटेशन और चर्चाएं होंगी।

विदेशी प्रतिनिधि और कृषि विशेषज्ञ खुरई व आसपास के क्षेत्रों की कृषि संबंधी गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन कर रहे हैं। इस मंथन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की कृषि समस्याओं के समाधान खोजना और भविष्य में कृषि विकास व निर्यात की संभावनाओं को तलाशना है।इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में कृषि विभाग के अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान बीना के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अवधेश राय, खुरई के राजू चौहान, धीरेंद्र ठाकुर, अजहर खान, ऋषि यादव, सचिन चतुवेर्दी,राघव रामा गुप्ता सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार
बुधवार, 17 जून 2026
विक्रम संवत्- 2083, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष, तृतीया

टेलीग्राम पर रोक!

केंद्र सरकार ने नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से ठीक पहले टेलीग्राम पर अस्थायी रोक लगा दी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी एक्ट की धारा 69ए के तहत यह कदम उठाया है। 21 जून को होने वाली री-एग्जाम के मद्देनजर 22 जून तक टेलीग्राम की पहुंच सीमित रहेगी, साथ ही मैसेज एडिटिंग फीचर 30 जून तक बंद रहेगा। यह फैसला परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है, क्योंकि मूल परीक्षा (3 मई 2026) में पेपर लीक के आरोपों के बाद पूरा सत्र विवादों में घिर गया था। यह कदम तात्कालिक संकट का समाधान तो लगता है, लेकिन लंबे समय में परीक्षा प्रणाली की मजबूती का विकल्प कतई नहीं माना जा सकता। नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगता है। मई की परीक्षा में 'गेस पेपर' टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वायरल होने के आरोपों ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए। राजस्थान समेत कई जगहों पर कोचिंग माफिया सक्रिय होने की खबरें आईं। अब री-एग्जाम से पहले फिर फर्जी लीक और फ्रॉड के दावे सामने आए, जिसके जवाब में सरकार ने यह अस्थायी ब्लॉक किया। एनटीए ने स्वागत किया है, क्योंकि मैसेज एडिट फीचर का दुरुपयोग 'बाद में लीक' का फर्जी सबूत गढ़ने के लिए हो रहा था। टेलीग्राम जैसे एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स अपराधियों और फ्रॉडस्टर्स के लिए आसान साधन बन गए हैं। गोपनीयता का दावा करते हुए ये प्लेटफॉर्म निगरानी से बचते हैं। सरकार का यह कदम सार्वजनिक व्यवस्था और युवाओं के हित की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल एक ऐप को अस्थायी रूप से रोक देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। पेपर लीक की जड़ें गहरी हैं जैसे, कोचिंग सेंटरों का अनियंत्रित विस्तार, प्रश्न-पत्र सुरक्षा में खामियां, डिजिटल निगरानी की कमी और भ्रष्टाचार। परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की मांग लंबे समय से की जा रही है। सीबीआई और अन्य एजेंसियों की जांच चल रही है, लेकिन सजा और रोकथाम दोनों जरूरी हैं। प्रश्न-पत्र तैयार करने, छपाई, परिवहन और वितरण में एआई, बायोमेट्रिक्स और सैटेलाइट निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों को अनिवार्य बनाना चाहिए। परीक्षा केंद्रों पर जैमरों, सीसीटीवी और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग को सख्ती से लागू किया जाए। कोचिंग उद्योग को रेगुलेट करने के लिए अलग कानून की जरूरत है, ताकि 'गेस पेपर' के नाम पर धोखाधड़ी न हो। छात्रों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक ओर पेपर लीक से विश्वास टूटा, दूसरी ओर री-एग्जाम के तनाव ने मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित किया। कई छात्रों ने अतिरिक्त खर्च, समय की बबार्दी और अनिश्चितता की शिकायत की है। ऐसे में सरकार को न सिर्फ सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए, बल्कि पारदर्शिता भी बनाए रखनी चाहिए। रिजल्ट घोषणा के बाद कोई शिकायत न रह जाए, इसका पूरा इंतजाम जरूरी है। टेलीग्राम पर रोक एक आपातकालीन उपाय है, स्थायी समाधान नहीं। डिजिटल युग में सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स परीक्षा सुरक्षा के लिए चुनौती हैं। सरकार को बड़े स्तर पर साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क विकसित करना होगा, जिसमें सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी तय हो। एनटीए को भी अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। अंततः, नीट जैसी परीक्षाएं मेरिट और मेहनत का प्रतीक होनी चाहिएं, न कि संदेह और विवाद का। अस्थायी रोक से तात्कालिक राहत मिलेगी, लेकिन बुनियादी ढांचे, प्रशासनिक सुधार और तकनीकी मजबूती के बिना छात्रों का भरोसा बहाल नहीं होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इस प्रणाली को चोरी-छिपे लीक से मुक्त बनाना होगा, ताकि अगली बार कोई री-एग्जाम की नौबत ही न आए। युवा पीढ़ी का भविष्य इससे जुड़ा है।

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए?

जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है।

कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है।

एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी।

एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं।

चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है।

जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है।

समय आ गया है कि सरकार, नीति-निमार्ता, चिकित्सा जगत और समाज मिलकर यह सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य सेवा लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का सशक्त उपकरण बने। अन्यथा विकसित भारत का सपना केवल आंकड़ों में चमकेगा, जबकि आम आदमी बीमारी, कर्ज और असहायता के अंधकार में संघर्ष करता रहेगा। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते भारत के सामने यही सबसे बड़ी नैतिक और मानवीय चुनौती है, जिसका समाधान आज ही तलाशना होगा।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अमेरिका-ईरान समझौते से पहले उभरते विरोध के स्वर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

हांलाकि अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर समझौते पर राजी होने के समाचार से दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है पर समझौता कितने दिन चलेगा और इसके साइड इफेक्ट क्या होंगे, इसे लेकर अभी से कयास लगने आरंभ हो गए हैं। इजरायल ने जहां सीज फायर समझौते से अभी तक तो अपने को अलग कर लिया हैं वहीं मिडिल ईस्ट फोरम ने समझौते की शर्तों को लेकर जो प्रतिक्रिया दी है उसे भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि जो मैसेज दुनिया के देशों के सामने गया है वह साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध से गले तक भर आये हैं और अब सवाल इज्जत बचाने का रह गया है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव भी जल्दी ही होने हैं। इसके अलावा दुनिया के अन्य देशों की तो छोड़ो अमेरिकियों का ही ट्रंप पर भरोसा नहीं रहा है। अमेरिका में ट्रंप की रेंकिंग लगातार नीचे जा रही है।

ट्रंप भले ही अपने 80 वें जन्मदिन पर युद्ध विराम की बात कर रहे हो पर यदि निष्पक्ष विश्लेषण किया जाए तो इस युद्ध में अमेरिका ने खोया ही खोया है। ट्रंप ने अपनी क्रेडिट रेंकिंग खोई है तो निर्णय लेने से पहले उसके परिणामों को लेकर गंभीर नहीं होना देखा गया है। हांलाकि समूची दुनिया विष्व शांति चाहती है और सभी चाहते हैं कि युद्ध विराम जल्दी से जल्दी हो। पर एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि ईरान के तेवर अभी तक तीखे है और वह कुछ खोना नहीं चाहता।

अमेरिका-इजरायल द्वारा जब 28 फरवरी को ईरान पर आक्रमण किया गया था तब उन्होंने सोचा नहीं था कि यह युद्ध इतना लंबा चलेगा और इनके हाथ से निकल जाएगा। अमेरिका-ईरान युद्ध से समूचा विश्व प्रभावित हुआ है। ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से सबसे अधिक संकट के हालात बने। वैसे भी अमेरिका को ईरान पर आक्रमण करने से पहले रुस-यूक्रेन युद्ध से सबक लेना चाहिए था। लाख प्रयासों के बावजूद रुस यूक्रेन युद्ध अभी तक विराम की स्थिति में नहीं आ पाया है। देखा जाए तो आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की स्थिति में है। एक दो दिन में युद्ध समाप्ति की सोचना भी बेमानी होगा। अब अमेरिका-ईरान युद्ध की ही बात की जाए तो 7200 से अधिक जान लेने और हजारों की संख्या में घायलों के बाद समझौते की बात की जा रही है। ईरान तो युद्ध के नुकसान की भरपाई के लिए साफ साफ कह रहा है तो परमाणु को लेकर भी कोई ठोस नतीजा नहीं देखा जा रहा है। अमेरिकियों को लगने लगा है कि 2015 के बराक ओबामा के समय परमाणु समझौते जैसे ही हालात लग रहे हैं। दूसरी और तथाकथित मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान और कतर भरोसे वाले देश नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि यह वहीं पाकिस्तान है जिसने तालीबान के मामलें में दुनिया को धोखा दिया वहीं ओसामा बिन लादेन को शरण दी। वैसे भी पाकिस्तान को आंतक को पनाह देने वाला देश माना जाता है। अब अमेरिका और अरब देश ईरान के पुनर्निर्माण के लिए करीब 300 अरब डॉलर देंगे।

ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से 146 देशों को ईंधन के दाम बढ़ाने पड़े और इसका सीधा सीधा असर इन देशों के नागरिकों पर पड़ा। देखा जाए तो 108 दिन बबार्दी के बाद कहीं जाकर अमेरिका-ईरान समझौते की लिए राजी हुए हैं पर अमेरिका का एक साथी और युद्ध में संलग्न इजरायल ने इस समझौते को सीरे से खारिज कर दिया है। बल्कि समझौता प्रयासों के दौरान ही लेबनान पर हमले तेज ही किये हैं। इजरायल किसी भी हालत में ईरान को परमाणु संपन्न देश नहीं चाहता। अब अमेरिका इजरायल के बीच संबंधों में बिगाड़ के आसार भी साफ दिखने लगे हैं। यह भी कयास लगाये जाने लगे हैं कि खाड़ी के देश अमेरिका से संबंधों पर नए सिरे से विचार करें। अभी तो समझौते पर हस्ताक्षर भी जेनेवा में 19 जून को होना है।

मिडिल इस्ट फोरम के पॉलिसी एनालिसिस निदेशक माइकल रुबिन की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है और उनका मानना है कि इससे मध्य पूर्व में नए संघर्ष के हालात बनेंगे। पश्चिमी एशिया में संघर्ष की राह प्रशस्त होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध विराम समझौते से ईरान लाभ में रहने वाला है। उसे पुनर्निर्माण के लिए अच्छी खासी सहायता राशि मिलेगी। दूसरी यह भी एक प्रतिक्रिया आई है कि जिस तरह से द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति रुजवेल्ट ने जर्मनी से निपटने के लिए फासीवादी इटली पर भरोसा कर समझौता किया था। खैर इतना तो तय है कि दुनिया के देश युद्ध से तंग आ गए हैं। तत्काल युद्ध बंद होना चाहिए यह सभी चाहते हैं।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

समाया...डर अभी समाया !

कृष्णेन्द्र राय

समाया...डर अभी समाया ।
टूट जाएं हम कौन ये जाना ।।

सत्ता में रहना, कुर्सी पर बैठना ।
छाने लगा ये नशा...।।

पार्टी से तेरी, पार्टी ने मेरी ।
जाने क्या कहा ? जाने क्या कहा ?

अपने ही रंग में, मुझको भी रंग ले ।
यही तो कहा...यही तो कहा ।।

बदले में क्या कुछ पाएंगे हम ।
सुरक्षा और न सुविधा होगी कम ।।

सैन्य परंपराओं और पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

महेन्द्र तिवारी

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी।

वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात का जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है।

इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है। सैनिक परंपराओं में सबसे पहला और प्रत्यक्ष बदलाव सैन्य कवायद और आधिकारिक समारोहों के दौरान देखा जा सकता है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी। इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है।

इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के उपयोग की भी गहन समीक्षा की गई है और इसके इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है। इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहाँ की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है।

अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं। परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी।

अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है।

सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं। इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7828

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7827 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

आज का राशिफल

मेष- मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

वृष- आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी।

मिथुन- विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी।

कर्क- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

सिंह- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

कन्या- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

तुला- खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा।

धनु- धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

मकर- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

कुम्भ- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा।

मीन- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

पं0 सुभाष पाण्डेय: हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विभिन्न संत-महात्माओं ने की सौजन्य भेंट, आध्यात्मिक शिक्षा को बढ़ावा देने के निर्णय पर जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आज मंगलवार को दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास महाराज, निवार्णी अखाड़ा के महंत सुरेंद्र दास महाराज, शदाणी दरबार से उदय लाल तथा कबीर आश्रम सोनपैरी के देवकर साहब ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संत-महात्माओं ने छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े पारंपरिक श्लोकों और मंत्रों को पुनः शामिल किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

संतों ने कहा कि पूर्व में विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर जैसे मंत्रों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया जाता था, जिससे बच्चों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। समय के साथ ये परंपराएं शैक्षणिक वातावरण से धीरे-धीरे विलुप्त होती गईं, किंतु अब राज्य सरकार द्वारा इन्हें पुनः स्थापित करने की पहल अत्यंत स्वागतयोग्य है। संत समाज ने कहा कि विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र तथा अन्य प्रेरणादायी वैदिक एवं सांस्कृतिक प्रार्थनाओं का समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ सकेगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के विकास का आधार भी है। हमारी सरकार बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र एवं अन्य प्रेरणादायी प्रार्थनाओं के समावेश से विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का विकास होगा। यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए एक संस्कारित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संत-महात्माओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को इस पहल के लिए साधुवाद देते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया तथा कहा कि यह निर्णय प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक विरासत को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून को होगी ग्राम सभा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची सहित विभिन्न विषयों पर होगी चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में विशेष रूप से आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) का अवलोकन एवं वाचन किया जाएगा। ग्राम सभा द्वारा शासन की मार्गदर्शिका एवं एसओपी के अनुसार पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी तथा ग्रामीणों से प्राप्त दावे-आपत्तियों को नियमानुसार प्राप्त कर निराकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद स्थायी प्रतीक्षा सूची को आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा। ग्राम सभा में पूर्व बैठक के निर्णयों के पालन प्रतिवेदन, पंचायतों के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्यों की प्रगति, तथा अन्य विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। ग्राम सभाओं में विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी जी राम जी) के संबंध में भी ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी तथा इसके क्रियान्वयन पर चर्चा होगी।

योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किए जाने, बेरोजगारी भत्ते के बेहतर प्रावधान, समय पर मजदूरी भुगतान और ग्राम सभा आधारित विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से ग्राम सभा में अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा ग्राम विकास से जुड़े निर्णयों में जनभागीदारी बढ़ाने की अपील की गई है। ग्राम सभा में पिछली बैठकों में पारित प्रस्तावों की समीक्षा, पंचायतों के आय-व्यय का अनुमोदन, विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, आवास प्लस 2.0 की प्रतीक्षा सूची तथा पंचायत संपत्तियों के प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा दंतेवाड़ा मंडल कार्यसमिति की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार और बूथ सशक्तिकरण पर जोर

दंतेवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी दंतेवाड़ा मंडल कार्य समिति की बैठक मंडल अध्यक्ष जय भंसाली की अध्यक्षता मेंआज मंगलवार को कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को संगठन की आगामी कार्ययोजना, बूथ सशक्तिकरण अभियान, सदस्यता विस्तार तथा विभिन्न सामाजिक एवं जनहित कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मंडल अध्यक्ष जय भंसाली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति एवं राष्ट्रहित के संकल्पों को लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कार्य करे। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा विभिन्न विषयों पर सुझाव एवं विचार-विमर्श किया गया तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर मंडल प्रभारी धरमलाल मिश्रा उपस्थित रहे। बैठक का संचालन महामंत्री मोहन ठाकुर एवं समापन उपाध्यक्ष लक्ष्मी यादव द्वारा किया गया ।इस दौरान जिला उपाध्यक्ष द्वय मुकेश शर्मा एवं कमला विनय नाग जिला महामंत्री सत्यजीत चौहान। जिला महामंत्री मुन्ना मरकाम , युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री कुणाल ठाकुर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल असरानी।

कोंडागांव में 19 को जिला स्तरीय रोजगार मेला लगाया जाएगा

कोंडागांव। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 19 जून को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला कोंडागांव कलेक्टोरेट परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा आयोजित मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां विभिन्न पदों पर भर्ती करेंगी। कुल 24 रिक्त पदों में सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड स्टाफ, सेल्स गर्ल्स, सेल्स बॉय एवं हेल्पर के पद शामिल हैं। रोजगार मेले में दंतेश्वरी मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड और सुमित बाजार कोंडागांव भाग लेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को कोंडागांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास से स्नातक तक निर्धारित की गई है तथा आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रखी गई है। इच्छुक अभ्यर्थियों से शैक्षणिक प्रमाण पत्र और पंजीयन लाना होगा।

हेलिपैड के पास गांजे का सौदा पड़ गया भारी, ग्राहक तलाश रहे तस्कर को पुलिस ने दबोचा

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए सरस्वती नगर पुलिस ने एक कथित गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 4.136 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 2.05 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी ग्राहकों की तलाश में घूम रहा था, लेकिन पुलिस की सतर्कता के चलते सलाखों के पीछे पहुंच गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंडित रविशंकर शुक्ल हेलिपैड की दीवार के पास झाड़ियों और घुरवा क्षेत्र के आसपास एक व्यक्ति गांजा बेचने की फिराक में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान जनरैल सिंह (40 वर्ष) निवासी कुकुरबेड़ा, आमानाका के रूप में बताई। वैधानिक प्रक्रिया के तहत उसकी तलाशी लेने पर एक बोरी से 4.136 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ थाना सरस्वती नगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई किन-किन लोगों तक की जा रही थी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 17 वर्षीय किशोर की मौत

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। जनपद बैरियर से आगे टर्निंग के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम कनकपुर निवासी मनमोहन रवि (17 वर्ष) मंगलवार को किसी काम से रामानुजगंज आया हुआ था। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 11 बजे वह लरंगसाय चौक के पास अपने फुफेरे भाई की बाइक लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान जनपद बैरियर पार करने के बाद एक मोड़ के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के समय मनमोहन हेलमेट नहीं पहना हुआ था। हादसे में उसके सिर तथा पेट के पास गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल इसकी सूचना रामानुजगंज पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायल युवक को एम्बुलेंस की सहायता से रामानुजगंज के सौ बिस्तर अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम रामानुजगंज के सौ बिस्तर अस्पताल में कराया जाएगा। वहीं दुर्घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है। इधर, हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। जवान बेटे की असमय मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे ग्राम कनकपुर में शोक की लहर दौड़ गई है।

राशन दुकानों में अब बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से ही मिलेगा राशन

धमतरी। शासन की राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने के लिए अब सरकार ने नई योजना बनाई है। इसके तहत राशन लेने वाले हितग्राही अब मोबाइल ओटीपी से राशन दुकानों से राशन नहीं ले पाएंगे। हितग्राही को स्वयं राशन दुकान जाकर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कराना होगा उसके बाद ही उसे राशन मिल पाएगा।

जानकारी के अनुसार मोबाइल ओटीपी से कई कार्डधारियों को राशन दुकान तक जाने की जरूरत नहीं पड़ रहा था। दूसरे जगहों के कार्डधारियों के नाम पर चावल निकाला जा रहा था, लेकिन अब ओटीपी से राशन वितरण पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, इससे चावल वितरण की गड़बड़ी पर रोक लगेगी। चावल खरीदने राशन कार्डधारियों को दुकान जाना ही पड़ेगा, क्योंकि अब बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण होने के बाद ही चावल मिल पाएगा। जानकारी के अनुसार जिले के 492 शासकीय उचित मूल्य दुकानों में से अब 488 आनलाइन दुकानों में राशन सामग्री का वितरण अनिवार्य रूप से ई-पास मशीन पर आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से किया जाएगा।

शासन ने वन नेशन वन राशनकार्ड योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आधार प्रमाणीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश जारी किए हैं। जिला खाद्य अधिकारी बीके कोर्राम ने बताया कि ई-पास वितरण डेटा के विश्लेषण में यह पाया गया कि कई दुकानों में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बजाय ओटीपी के माध्यम से राशन वितरण किया जा रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए सभी उचित मूल्य दुकान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ई-केवाईसी पूर्ण होने पर राशनकार्ड के मुखिया अथवा पंजीकृत सदस्य के बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही राशन वितरित किया जाए। जिन राशनकार्डों में नामिनी नियुक्त हैं, वहां भी नामिनी के आधार प्रमाणीकरण के बाद ही सामग्री का वितरण किया जाएगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि ओटीपी आधारित वितरण केवल विशेष परिस्थितियों में ही अनुमन्य होगा। इसमें ऐसे राशनकार्ड शामिल हैं, जिनके सभी सदस्य 60 वर्ष से अधिक या 10 वर्ष से कम आयु के हों, एकल निराश्रित राशनकार्ड धारक हों अथवा निश्शक्तजन राशनकार्ड धारक हों जिनमें कोई नामिनी नियुक्त न हो। इन मामलों में भी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का प्रयास विफल होने के बाद ही पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा।

विभाग ने चेतावनी दी है कि आधार प्रमाणीकरण को नजरअंदाज कर सीधे ओटीपी के माध्यम से वितरण करने वाले दुकान संचालकों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी हितग्राही के आधार प्रमाणीकरण में तकनीकी समस्या आने पर तत्काल खाद्य निरीक्षक एवं तकनीकी टीम को सूचना देकर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य विभाग ने जिले के सभी राशनकार्डधारियों से अपील की है कि वे उचित मूल्य दुकान पर राशन लेने जाते समय आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अवश्य कराएं तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग प्रदान करें।

प्रबुद्ध जन सम्मान समारोह में वरिष्ठजनों का हुआ अभिनंदन, विकसित भारत के संकल्प पर जोर

धमतरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर पंचायत आमदी में मंगलवार को विशेष जनसंपर्क एवं प्रबुद्ध जन सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध नागरिकों का सम्मान कर उनके अनुभवों और मार्गदर्शन को समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने कहा कि विशेष जनसंपर्क अभियान केवल सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं अनुभवी व्यक्तियों के आशीर्वाद और सुझाव प्राप्त करने का भी अवसर है।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर है, जिससे नई पीढ़ी को दिशा और प्रेरणा मिलती है। केंद्र सरकार ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के लिए भूमि दान करने वाले शिवप्रसाद साहू, गायत्री परिवार से जुड़े भूनु साहू, रामायणी हेमनु कुंभकार, बिसु राम पटेल, मंसा राम साहू भगत, पुजारी पुरुसोत्तम साहू, सेवानिवृत्त शिक्षक कैलू पाड़े, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी नोगेंद्र चक्रधारी तथा धार्मिक जस झांकी के आयोजक सहित अनेक प्रबुद्धजनों का श्रीफल एवं गमछा भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में तेजराम साहू, ज्योति साहू, जितेंद्र कुमार पटेल, कोमल देवांगन, कोमल यादव, उमानंद कुंभकार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों ने समाज और क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

निर्माणाधीन भारतमाला मार्ग पर पुलिस की सख्ती, एक दिन में 96 वाहन चालकों पर कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जांजगीर-चांपा पुलिस ने निमार्णाधीन भारतमाला मार्ग पर बड़ी कार्रवाई की है। विशेष जांच अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन कर निमार्णाधीन मार्ग का उपयोग करने वाले 96 वाहन चालकों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वहीं, नियम तोड़ने वाले चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडे के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। बलौदा थाना क्षेत्र से गुजर रहे निमार्णाधीन भारतमाला मार्ग पर लगातार बढ़ते जोखिम को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष निगरानी शुरू की है। यातायात पुलिस ने सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने तक दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए भारतमाला परियोजना के परियोजना निदेशक को पत्र भेजकर इस मार्ग पर छोटे और बड़े सभी वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है।

पुलिस का मानना है कि अधूरे निर्माण कार्य के बीच वाहन संचालन यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। निमार्णाधीन मार्ग के विभिन्न हिस्सों में चेकिंग पॉइंट बनाकर पुलिस ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान ऐसे वाहन चालकों को चिन्हित किया गया जो प्रतिबंध और चेतावनी के बावजूद मार्ग का उपयोग कर रहे थे। एक ही दिन में 96 वाहन चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें सुरक्षित यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि भारतमाला मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण होने तक इस रास्ते का उपयोग न करें।

मालगाड़ी की चपेट में आए हाथी की मौत, बचाने के प्रयास रहे नाकाम

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र अंतर्गत चारमार गांव के समीप मालगाड़ी की चपेट में आए एक जंगली हाथी की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसके एक पैर में गहरी चोट आई थी। वन विभाग और विशेषज्ञों की टीम द्वारा उसे बचाने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन आखिरकार उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही उप वन मंडलाधिकारी आशुतोष मंडावा और वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रांत सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने हाथी के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम को बुलाया। उसे बचाने की पूरी कोशिश की गई ,लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। काफी कोशिशों के बावजूद मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कि यह घटना सोमवार रात करीब 10 बजे की है। जहां चारमार गांव के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय जंगली हाथी मालगाड़ी की चपेट में आ गया ।टक्कर इतनी भीषण थी कि हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसके एक पैर में गंभीर चोट आई थी और शरीर से लगातार रक्तस्त्राव हो रहा था। वन विभाग ने तत्काल राहत और उपचार कार्य शुरू कराया तथा घायल हाथी की निगरानी के लिए विशेषज्ञों को तैनात किया गया।

घायल हाथी के इलाज के लिए चार पशु चिकित्सकों और वन्यजीव विशेषज्ञों की टीम मौके पर मौजूद रही। हाथी की हालत को देखते हुए लगातार उपचार और निगरानी की जा रही थी। वन विभाग के अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार घायल हाथी के साथ पांच अन्य हाथियों का दल भी आसपास मौजूद था। इसे देखते हुए पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। ग्रामीणों को हाथियों के झुंड से दूर रहने और घटनास्थल के आसपास नहीं जाने की सलाह दी गई थी। वन विभाग के अधिकारियों ने हाथी की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उसे बचाने के लिए पूरी कोशिश की गई थी, लेकिन चोटें बेहद गंभीर थी जहां उपचार के दौरान मौत हो गई । फिलहाल नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा घटना के कारणों की भी जांच की जाएगी।

शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ आत्मीय स्वागत

मुजगहन विद्यालय में उत्साह के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

धमतरी। शासकीय विद्यालय मुजगहन में मंगलवार को शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजयुमो जिला महामंत्री एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष ओमेश यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्राचार्य मोनिका गोस्वामी, वरिष्ठ शिक्षक नाग सर, समस्त शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में पालकों ने सहभागिता निभाई। उत्सव के दौरान विद्यार्थियों को निश्शुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया गया, ताकि वे सत्र के प्रारंभ से ही अध्ययन कार्य सुचारु रूप से शुरू कर सकें। साथ ही बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया गया। अपने संबोधन में ओमेश यादव ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है और अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संकल्प को दोहराया गया। अतिथियों, शिक्षकों और पालकों के सहयोग से आयोजित शाला प्रवेश उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

स्कूलों में लौटी रौनक: नए सत्र के साथ गूंजीं बच्चों की किलकारियां, शुरू हुआ शाला प्रवेश उत्सव

रायपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सोमवार को छत्तीसगढ़ के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत हुई। करीब डेढ़ महीने बाद स्कूलों के द्वार खुलते ही परिसर बच्चों की चहल-पहल और किलकारियों से गुलजार हो उठे। प्रदेशभर में विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, पुष्प वर्षा कर और पाठ्यपुस्तकें भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

नए सत्र के शुभारंभ के साथ ही 16 जून से 27 जून तक प्रदेशभर में शाला प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान स्कूलों में नए विद्यार्थियों के नामांकन को बढ़ावा देने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया जाएगा। पहली बार विद्यालय पहुंचे नन्हे बच्चों के लिए यह दिन उत्साह, जिज्ञासा और नई शुरूआत का प्रतीक बन गया। राजधानी रायपुर सहित विभिन्न जिलों के स्कूलों में शिक्षकों ने विद्यार्थियों का अभिनंदन कर उन्हें नई किताबें सौंपीं। कई स्कूलों में स्वागत कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को विद्यालयी वातावरण से परिचित कराया गया।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर प्रदेश के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने और उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, आत्मविश्वास और उत्साह के साथ नियमित अध्ययन करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की मेहनत ही भविष्य की सफलता का आधार बनेगी। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर आगे बढ़ने, ज्ञान और संस्कारों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा दी। शाला प्रवेश उत्सव का मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम 30 जून को आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गणवेश, पाठ्यपुस्तकें और साइकिलों का वितरण भी किया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक : कैलाश नाथ द्वारा शिवम पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनरीज इण्डस्ट्रीज-157प्रेस भवन,मधुबन विहार (ज्ञानेश्वर सोसायटी) ,वार्ड-85, होशंगाबाद रोड, भोपाल म.प्र.462047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : सुशील कुमार त्रिपाठी , Mobile-91- 9893982060, Email- mptmnp@gmail.com , website:tarunmitra.in , RNI : MPHIN/2021/79825 ; "इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

योगी सरकार में विकास को मिल रही नई रफ्तार

2.71 करोड़ रुपये की लागत से पैलानी क्षेत्र में हो रहा है शानदार संपर्क मार्ग का निर्माण

बांदा, 16 जून (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी कड़ी में बांदा जिले के पैलानी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक बड़ी सौगात दी गई है। पैलानी में 2.71 करोड़ रुपये की भारी लागत से एक शानदार संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।

यह महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग लसडा से प्रसिद्ध कारूबाबा धार्मिक स्थल होते हुए सीधे दौनाय घाट तक बनाया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की मुस्तैदी के कारण अब तक इस परियोजना का 67 प्रतिशत निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और कड़े दिशा निर्देशों का ही नतीजा है कि जो काम पहले सालों लटके रहते थे वे अब समयसीमा से काफी पहले पूरे हो रहे हैं। इस सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने की आधिकारिक समयसीमा फरवरी 2027 तय की गई है। लेकिन जिस तेज रफ्तार से काम चल रहा है उसे देखकर साफ है कि यह मार्ग अपनी डेडलाइन से काफी पहले बनकर तैयार हो जाएगा।

आज पैलानी क्षेत्र की ग्रामीण सड़कें तेजी से चमचमा रही हैं। इस नए संपर्क मार्ग के बनने से न केवल लसडा और दौनाय घाट के ग्रामीणों का सफर आसान होगा बल्कि कारूबाबा धार्मिक स्थल आने वाले श्रद्धालुओं को भी कीचड़ और गड्ढों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। योगी सरकार की इस विकासपरक सोच से क्षेत्रीय जनता में भारी उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि दशकों से यह इलाका उपेक्षित था लेकिन महाराज जी के नेतृत्व में पहली बार गांवों और धार्मिक स्थलों के कायाकल्प को इतनी प्राथमिकता दी जा रही है। दौनाय घाट तक सुगम मार्ग बनने से क्षेत्र में व्यापार, परिवहन और पर्यटन के नए अवसर खुलेंगे।

जीएनएम प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न, 26 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

बांदा, 16 जून (तरुणमित्र)। अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) प्रवेश परीक्षा मंगलवार को चित्रकूट धाम मंडल के बांदा जनपद मुख्यालय स्थित आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज में शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र पर कुल 349 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 26 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, जबकि शेष अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सीसीटीवी कैमरों, वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी तथा बायोमेट्रिक स्कैनिंग की कड़ी निगरानी की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा के सफल संचालन में केंद्राध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर मिथिलेश कुमार पांडे के नेतृत्व में विद्यालय की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं वीडियो निगरानी की जिम्मेदारी संभाल रही सुनील सक्सेना और अनकी टीम ने भी परीक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सराहनीय योगदान दिया।

जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

चित्रकूट, 16 जून (तरुणमित्र)। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। उक्त बैठक में अपर जिलाधिकारी (नमामिगंगे),चित्रकूट,अधिशासी अभियन्ता,खण्ड कार्यालय (सिविल)/(वि/या,उप्र जल निगम (ग्रामीण) चित्रकूट,समस्त सहायक अभियन्ता/जूनियर इंजीनियर (सिविल)/(वि/या),उप्र जल निगम (ग्रामीण) चित्रकूट, प्रोजेक्ट मैनेजर एलएण्डटी,डीपीएम जीवीपीआर डिप्टी टीम लीडर टीपीआई सेन्सिस टेक लि0 चित्रकूट एवं सम्बन्धित फर्मों के प्रोजेक्ट मैनेजर/स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विशेष रूप से पाठा क्षेत्र की रैपुरा ग्राम समूह पेयजल योजना की समीक्षा की गई। योजना के अंतर्गत 68 ग्रामों के सापेक्ष 65 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है। फर्म जीवीपीआर के डीपीएम को निर्देश दिये गये कि योजना के अवशेष कार्यों को दिनांक-30-06-2026 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना के अंतर्गत 286 ग्रामों के सापेक्ष 190 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ हो गयी है। फर्म एलएण्डटी के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देश दिये गये कि योजना के अवशेष कार्यों को दिनांक-30-09-2026 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। सिलौटा मुस्तकिल ग्राम समूह पेयजल योजना के अंतर्गत 59 ग्रामों के सापेक्ष सभी 59 ग्रामों में जलापूर्ति की जा रही है।

गोरखगिरी पर्वत स्थित मेडिटेशन सेंटर में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

महोबा, 16 जून (तरुणमित्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) के अंतर्गत आयोजित योग सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को शिव तांडव एवं गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखगिरी पर्वत स्थित मेडिटेशन सेंटर में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों ने भाग लेकर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक सचिन गुप्ता, सुनीता कुशवाहा एवं पतंजलि योग समिति के सुशील कुमार ने प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। वहीं अनुकृति खरे ने विशेष योगासनों का आकर्षक प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को योग के प्रति प्रेरित किया।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. ममता वर्मा, डॉ. विकास कुमार, डॉ. आदित्य मोहन अवस्थी, डीपीएम आयुष अमित देवरिया, योग प्रशिक्षक गजराज सहित वरिष्ठ समाजसेवी शिवकुमार गोस्वामी, तारा पाटकर, डॉ. देवेन्द्र पुरवार, गया प्रसाद, प्रहलाद पुरवार, नीरज, अन्नू पुरवार, प्रेम चौरसिया, अवधेश गुप्ता, कुक्कू शिवहरे, मनीष जैदका, पवन सोनी एवं रामदास त्यागी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में राजेश कुमार एवं जीतेन्द्र कुमार का विशेष सहयोग रहा। नोडल अधिकारी डॉ. ममता वर्मा ने बताया कि योग सप्ताह के अंतर्गत जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भी योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योग प्रशिक्षक बिकरण, सुरेन्द्र कुमार एवं योग सहायक उमेश त्रिपाठी द्वारा ग्राम रिवई में, राजेश कुमार खरे एवं प्रियंका द्वारा विकासखंड पनवाड़ी में, नीरेंद्र सिंह एवं कुमकुम द्वारा ब्लॉक परिसर जैतपुर में तथा प्रदीप कुमार सोनी एवं गायत्री द्वारा कुलपहाड़ स्थित वाघविराजन मंदिर में योगाभ्यास कराया गया।

फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. शशांक ने दिया नि: शुल्क परामर्श

हमीरपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से 'सृजन एक सोच' संस्था राठ द्वारा रौरौ करहारा गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के आरोग्य यान के माध्यम से गांव में पहली बार इस तरह का शिविर लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लिया। शिविर का आयोजन मां हंस वाहिनी विद्या मंदिर कॉलेज के प्रांगण में किया गया। सुबह से ही महिलाएं, बुजुर्ग, किसान, मजदूर और युवा अपनी समस्याएं लेकर शिविर स्थल पर पहुंचने लगे। फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. शशांक श्रीवास्तव ने करीब एक सैकड़ा मरीजों का निःशुल्क परीक्षण कर उन्हें स्वास्थ्य परामर्श दिया।

बच्चों ने किया मलखंभ का प्रदर्शन, मिली सराहना

किया। बच्चों ने मलखम पर दिखाया संतुलन, साहस और अनुशासन

ललितपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। भारत सेवा मंडल व्यायामशाला में विश्व मलखम दिवस के अवसर पर समर कैम्प समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हनुमान जी के पूजन-अर्चन के साथ प्रतिभागी बच्चो व बच्चियों ने सूर्य नमस्कार किया। साथ ही मलखम का विशेष प्रदशर्न किया। जिसे देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी मनमोहन जड़िया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक बट्टू पटेरिया, प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष रमेश रायकवार, पत्रकार आकाश ताम्रकार सहित अनेक सहयोगी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कैंप के दौरान बच्चों ने नियमित अभ्यास कर कमियों को दूर करने का प्रयास

समारोह के दौरान व्यायामशाला के बच्चों ने मलखम पर अपनी उत्कृष्ट पकड़, संतुलन, संयम एवं शारीरिक दक्षता का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न करतबों और व्यायाम कौशल ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रदर्शन के माध्यम से बच्चों ने यह साबित किया कि नियमित अभ्यास और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। समापन समारोह में बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण से हुए लाभों के बारे में बताया। प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।समापन कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना, आत्मविश्वास और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रेस क्लब महामंत्री अमित सोनी, पत्रकार रमेश रैकवार, पत्रकार आकाश ताम्रकार, पत्रकार संजय नायक, कल्लू बबले, मदन शर्मा, अमित तिवारी, कमलेश साहू, धर्मेंद्र चौबे, हरि पहलवान, गुलजारी दाउ, शैलेंद्र, राजा भैया, महेश राठौर अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, अभिभावक एवं भारत सेवा मण्डल व्यायामशाला के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भारत सेवा मंडल के संरक्षक बृजेश चतुर्वेदी ने किया।

वीर भूमि राजकीय महाविद्यालय में 30 पदों के सृजन को मिली मंजूरी

महोबा, 16 जून (तरुणमित्र)। जनपद महोबा के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। वीर भूमि राजकीय महाविद्यालय में लंबे समय से रिक्त चल रहे 30 पदों के सृजन को शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर सदस्य विधान परिषद (एमएलसी) जितेंद्र सिंह सेंगर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के प्रति आभार व्यक्त किया है। एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि उन्होंने मानसून सत्र के दौरान सदन में महोबा की उच्च शिक्षा व्यवस्था से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने वीर भूमि राजकीय महाविद्यालय में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर संचालित कला एवं वाणिज्य संकाय सहित अर्थशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, इतिहास, संगीत तथा शिक्षाशास्त्र विषयों में शिक्षकों की कमी का मुद्दा रखा था। उन्होंने महाविद्यालय में इन विषयों के लिए असिस्टेंट प्रोफेसरों के पद सृजित करने के साथ-साथ तृतीय श्रेणी के वरिष्ठ सहायक, कंप्यूटर सहायक एवं लेखा लिपिक के पदों की आवश्यकता भी शासन के समक्ष रखी थी। शासन ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए कुल 30 रिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति प्रदान कर दी है। एमएलसी सेंगर ने कहा कि यह निर्णय महोबा क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति होने से महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियां और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अन्य जनपदों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है और महोबा के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

आदिवासी परिवारों ने लगाया कब्जे का आरोप, डीएम को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। जनपद के मर्हरा गांव की सहरिया बस्ती के करीब 20 आदिवासी परिवारों ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ के परिजनों पर ग्राम पंचायत/नजूल भूमि पर कब्जे का प्रयास करने का आरोप लगाया। पीड़ितों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों का आरोप है कि राज्यमंत्री की पुत्रियां सीमा और सरोज अपने साथ 10-12 लोगों के साथ बस्ती में पहुंचीं और वर्षों से बसे मकानों पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर कथित रूप से गाली-गलौज और मारपीट की गई। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि बस्ती में आग लगा दी गई, जिससे एक मकान जल गया। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, लेकिन आरोप है कि पुलिस के पहुंचने से पहले संबंधित लोग जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गए। आदिवासी परिवारों ने यह भी आरोप लगाया कि बस्ती से निकलने वाले रास्ते को बंद कर दिया गया है, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि सहरिया बस्ती वर्षों से नजूल भूमि पर बसी हुई है। ज्ञापन पर 50 से अधिक ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। पीड़ित परिवारों ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा बस्ती की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

सूचना विभाग के बाबू ने पेश की फिरकापरस्ती की मिसाल

पत्रकारों ने डीएम से की कार्रवाई की मांग

कन्नौज , 16 जून (तरुणमित्र)। जिले के सूचना विभाग में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक मोहम्मद शारिक खान द्वारा बीते तीन दिन पूर्व पत्रकारों को दिए गए नाश्ते में अंडा मिश्रित केक खिलाए जाने की जानकारी मिलने पर जिले के पत्रकारों में भारी रोष व्याप्त हो गया। मामले को लेकर कान्यकुब्ज पत्रकार सहायता समिति के जिला अध्यक्ष राजीव नयन त्रिपाठी ने पत्रकार साथियों के साथ जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर दोषी लिपिक पर कार्रवाई की मांग उठाई ।मामले को गंभीरता से लेकर सूचना अधिकारी द्वारा आरोपी बाबू को तीन दिन के समय में स्पष्टीकरण देने का लिखित नोटिस जारी किया गया है। मामला 13 जून 2026 का है जब जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सचान के कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था जिसमें जिले के तमाम पत्रकारों ने भाग लिया था यहां सूचना विभाग द्वारा आए हुए पत्रकारों को लंच पैकेट वितरित किए गए जिसमें अन्य खाने की सामग्री के साथ नॉनवेज केक भी शामिल होना बताया गया ।

इस बात की जानकारी होने पर पत्रकारों में धार्मिक कथा व्यक्तिगत भावनाएं आहत होने की बात उठाते हुए पत्रकार संगठन ने विरोध दर्ज कराते हुए जिलाधिकारी को लिखित प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग उठाई। पत्रकारों ने विभाग में कार्यरत बाबू मोहम्मद शारिक पर सूचना ग्रुप में पर अनाधिकृत विशेष लोगों के जोड़े जाने तथा सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया मामले को गंभीरता से लेकर 1 दिन पूर्व ही 15 जून को जिला सूचना अधिकारी द्वारा उक्त बाबू से तीन दिन में मामले पर स्पष्टीकरण देने का नोटिस जारी किया जा चुका है।

भ्रष्टाचार: एक साल में उखड़ गईं लाखों की लागत से निर्मित आरसीसी सड़कें

हमीरपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। विकासखंड राठ क्षेत्र में जिला पंचायत निधि से कराए गए विकास कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जो घटिया निर्माण कमीशन खोरी, और भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित तीन आरसीसी सड़कें निर्माण के महज एक वर्ष के भीतर ही जर्जर हो गई हैं। जगह-जगह सड़क की परत उखड़ चुकी है, गहरी दरारें पड़ गई हैं और कई हिस्सों में सड़क धंस गई है। इससे न केवल ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है, बल्कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। विकासखंड क्षेत्र में जिला पंचायत निधि से कराए गए विकास कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लाखों रुपये की लागत से निर्मित तीन आरसीसी सड़कें निर्माण के एक वर्ष के भीतर ही जर्जर हो गई हैं। जगह-जगह सड़क की परत उखड़ चुकी है, गहरी दरारें पड़ गई हैं और कई हिस्सों में सड़क धंस गई है।

सड़कों की हालत देखकर यह विश्वास करना मुश्किल है कि इनका निर्माण हाल ही में वर्ष 2024-25 में कराया गया था। विकासखंड क्षेत्र के नौहाई गांव तथा औड़ेरा-सैदपुर मार्ग का है। यहां केंद्रीय वित्त आयोग एवं जिला पंचायत निधि योजना के तहत तीन आरसीसी सड़कों का निर्माण कराया गया था। इनमें औड़ेरा-सैदपुर मुख्य मार्ग से रामस्वरूप मास्टर के फार्म हाउस तक, कालका देवी मंदिर से स्वामीदीन अहिरवार के घर तक तथा हरिजन बस्ती से औड़ेरा-सैदपुर पुलिया तक सड़क निर्माण शामिल है। निर्माण कार्य पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे और इसे ग्रामीणों के आवागमन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कराया गया था। लेकिन निर्माण के कुछ ही महीनों बाद सड़कें टूटने लगीं। वर्तमान स्थिति यह है कि कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है।

एमबीबीएस इंटर्न्स ने स्टाइपेंड बढ़ाने की डिप्टी सीएम से की मांग

फतेहपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। अल्लीपुर स्थित जोधा सिंह अटैया मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस इंटर्न्स ने उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को पत्र सौंपकर इंटर्नशिप स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग की है। छात्रों का कहना है कि वर्तमान में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में इंटर्न्स को मात्र 12000 प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई और दैनिक आवश्यकताओं की तुलना में बेहद कम है। मेडिकल कालेज के छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल लखनऊ पहुंचा। जहां डिप्टी सीएम को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि एमबीबीएस इंटर्न्स अस्पतालों में वार्ड ड्यूटी, इमरजेंसी सेवाएं, नाइट ड्यूटी, मरीजों की निगरानी और विभिन्न चिकित्सकीय कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय देश के अधिकांश राज्यों की तुलना में सबसे कम है। छात्रों ने मांग की है कि इंटर्न्स का स्टाइपेंड बढ़ाकर कम से कम 30000 प्रतिमाह किया जाए, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सकें और आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर मरीजों की बेहतर सेवा दे सकें।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और असम जैसे राज्यों में एमबीबीएस इंटर्न्स को 30000 से अधिक स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जबकि उत्तर प्रदेश में यह राशि केवल 12000 है।

मेडिकल कॉलेज के इंटर्न्स ने उम्मीद जताई है कि सरकार उनकी मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र निर्णय लेगी, जिससे हजारों भावी चिकित्सकों को राहत मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी। डिप्टी सीएम से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में राबिन यादव, सत्यम, सोहराब अली, रीशू, आकाश, पारस आदि मौजूद रहे।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनीं फरियादियों की समस्याएं

फतेहपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी तथा अन्य पुलिस संबंधी मामलों से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को मामलों के गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सातवें बड़े मंगल पर फाउंडेशन ने शरबत वितरित किया

भीषण गर्मी के बीच ठंडा शरबत पीकर जनमानस ने ली राहत की सांस

फतेहपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा आईटीआई रोड स्थित अलंकार गार्डेन में विशाल शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य में सैकड़ों श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं आमजन को शीतल शरबत वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान हनुमान के स्मरण एवं जनकल्याण की कामना के साथ किया गया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ने लगी। फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ लोगों को शरबत वितरित किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बड़े मंगल के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेवा, दान और परोपकार भारतीय संस्कृति की पहचान हैं तथा ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

उपस्थित लोगों ने फाउंडेशन की ओर से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज के लिए प्रेरणादायी हैं और युवाओं को भी समाजसेवा के लिए आगे आने की सीख देते हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. अमित मिश्रा नीटू, राम प्रताप सिंह गौतम, धनंजय द्विवेदी, संजय लाला, लाल त्रिपाठी, सुनील दुबे, धर्मेंद्र सिंह, कल्लू वर्मा, मुन्ना दुबे आदि मौजूद रहे।

यमुना स्नान के दौरान दो मासूम डूबे, एक का शव बरामद

फतेहपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। जाफरगंज थाना क्षेत्र के बिंदौर घाट में मंगलवार सुबह यमुना नदी में नहाने गए दो मासूम तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गए। स्थानीय गोताखोरों की कड़ी मशक्कत के बाद एक बालक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश देर शाम तक जारी रही। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 10 बजे योगेश निवासी जाफरगंज अपने भतीजे ऋषभ मिश्रा 11 पुत्र अभिषेक मिश्रा निवासी जाफरगंज तथा ऋषभ के मौसेरे भाई प्रतीक पांडेय 12 पुत्र प्रमोद पांडेय निवासी चांदपुर थाना चांदपुर के साथ बिंदौर घाट पर यमुना नदी में नहाने गए थे। नहाते समय दोनों बच्चे अचानक तेज बहाव के कारण गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

अधिकारियों की लापरवाही, प्रचार के अभाव में फ्लॉप रहा जन कल्याण शिविर

हमीरपुर, 16 जून (तरुणमित्र)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकासखंड राठ परिसर में आयोजित जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला अपेक्षित भीड़ जुटाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों की मौजूदगी नगण्य रही। हालत यह रही कि पूरे परिसर में कुर्सियां खाली पड़ी रहीं और अधिकांश स्टॉल लाभार्थियों के इंतजार में सूने नजर आए। सिर्फ बजट का बंदर बांट किया जा रहा है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग तथा मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों पर लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और समस्याओं के समाधान की व्यवस्था की गई थी, लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव में ग्रामीणों की भागीदारी नहीं हो सकी। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित था, लेकिन कई विभागों के अधिकारी और कर्मचारी समय पर नहीं पहुंचे।

कुछ कर्मचारी 11 बजे के बाद तो कुछ दोपहर 12 बजे के आसपास कार्यक्रम स्थल पहुंचे। वहीं कई कर्मचारी मोबाइल फोन चलाते, आपस में बातचीत करते और फोटो-सेल्फी लेते दिखाई दिए। कुछ स्थानों पर कर्मचारी टेबल-कुर्सियों पर आराम करते भी नजर आए। शिविर की सूचना गांवों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंचाई गई, जिसके कारण अधिकांश ग्रामीणों को कार्यक्रम की जानकारी ही नहीं मिल सकी। परिणामस्वरूप सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित यह शिविर स्वयं प्रचार के अभाव का शिकार बन गया। इतना ही नहीं, निर्धारित समय से पहले ही कई विभागों ने अपने स्टॉल समेटने शुरू कर दिए और दोपहर 2 बजे से पूर्व ही कार्यक्रम लगभग समाप्त हो गया। शिविर की अव्यवस्थाओं और जनसहभागिता के अभाव ने कार्यक्रम की तैयारियों और प्रशासनिक दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता तो अधिक संख्या में ग्रामीण योजनाओं की जानकारी और लाभ प्राप्त कर सकते थे।

बारिश से पहले नगर पालिका का अभियान, जर्जर मकान किए ध्वस्त

सीहोर। आगामी वर्षा ऋतु के मद्देनजर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश के सीहोर नगर पालिका ने जर्जर और खतरनाक भवनों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चिन्हित किए गए जर्जर मकानों को नगर पालिका अमले ने ध्वस्त कर दिया।नगर पालिका के प्रभारी राजस्व अधिकारी संजय शुक्ला ने बताया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) सुधीर सिंह के निर्देश पर बारिश से पहले यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान पुराने और क्षतिग्रस्त भवनों के गिरने की आशंका बनी रहती है, जिससे जनहानि और संपत्ति को नुकसान पहुंच सकता है। इसी खतरे को देखते हुए तकनीकी निरीक्षण के बाद अत्यधिक जर्जर भवनों को हटाने की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि पूर्व में चरखा लाइन क्षेत्र में एक जर्जर मकान के क्षतिग्रस्त होने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो चुकी है। इसके अलावा शहर के कई हिस्सों में ऐसे भवन चिन्हित किए गए हैं, जो लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। इसी कड़ी में हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में लगभग एक दर्जन जर्जर मकानों पर कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान नगर पालिका के सहायक यंत्री विजय कोली, वैभव लोवनिया, अतिक्रमण प्रभारी तिलक वर्मा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि भवन मालिकों को पहले ही नोटिस जारी कर मरम्मत या भवन हटाने के निर्देश दिए गए थे।

निर्धारित समय सीमा के बाद भी सुधार नहीं होने पर यह कार्रवाई की गई।नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई भवन जर्जर अवस्था में है तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। साथ ही भवन स्वामियों से पुराने और क्षतिग्रस्त मकानों की समय रहते मरम्मत कराने का आग्रह किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि नागरिकों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और वर्षा काल में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऐसे अभियानों को आगे भी जारी रखा जाएगा।

मझगवां अस्पताल में लापरवाही का मामला: नाबालिग ने काटीं मरीजों की पर्चियां, प्रशासन पर उठे सवाल

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के मझगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। अस्पताल के ओपीडी पंजीयन काउंटर पर एक नाबालिग बच्चे द्वारा मरीजों की पर्चियां बनाए जाने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आपत्ति जताई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ थी। इसी दौरान पंजीयन काउंटर पर नियमित कर्मचारी मौजूद नहीं था। आरोप है कि अस्पताल में पदस्थ मल्टी स्किल कर्मचारी देवदत्त तोमर ने अपने नाबालिग बेटे को काउंटर पर बैठाकर मरीजों का पंजीयन कराने का काम सौंप दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बच्चा मरीजों के नाम, पते और अन्य विवरण दर्ज कर ओपीडी पर्चियां जारी कर रहा था। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मरीजों की व्यक्तिगत जानकारी और सरकारी रिकॉर्ड से जुड़े कार्य किसी अधिकृत कर्मचारी द्वारा ही किए जाने चाहिए। ऐसे में एक नाबालिग को इस जिम्मेदारी में शामिल करना प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर उदाहरण है लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मल्टी स्किल कर्मचारी के पद पर नियुक्त देवदत्त तोमर लंबे समय से बीएमओ के वाहन चालक के रूप में कार्य कर रहे हैं, जिससे अस्पताल की नियमित व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। उनका कहना है कि कर्मचारियों की कमी और व्यवस्थागत खामियों का खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। मामले पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां के बीएमओ डॉ. रूपेश सोनी ने स्वीकार किया कि कुछ समय के लिए बच्चे ने पर्चियां बनाने में सहयोग किया था। उन्होंने बताया कि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी निजी कारणों से बाहर गया हुआ था, जबकि नियमित कर्मचारी चित्रकूट मेले में ड्यूटी पर तैनात है। मरीजों की बढ़ती संख्या और गंभीर मरीजों की स्थिति को देखते हुए अस्थायी रूप से यह व्यवस्था की गई थी। हालांकि बीएमओ का यह स्पष्टीकरण भी कई सवाल खड़े कर रहा है। यदि कर्मचारी अनुपस्थित था तो वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? क्या किसी नाबालिग को सरकारी रिकॉर्ड और मरीजों की जानकारी तक पहुंच देना नियमों के अनुरूप है? और यदि यह व्यवस्था अस्थायी थी, तो इसकी जिम्मेदारी कौन तय करेगा?

डिवाइडर से टकराई क्रेटा कार, आरक्षक समेत एक ही परिवार के 7 लोग घायल

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ग्वालियर से इंदौर जा रही एक क्रेटा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में इंदौर में पदस्थ एक आरक्षक सहित परिवार के सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और इंजन से चिंगारियां निकलने लगीं। इससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों और निजी अस्पताल के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग पर काबू पाया। दमकल वाहन के पहुंचने से पहले ही आग को काफी हद तक बुझा दिया गया था।

हादसे के समय कार में सवार लोग अंदर फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने कार की खिड़कियों के कांच तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस की मदद से सभी को नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया।घायलों में इंदौर के राजेंद्र नगर थाने में पदस्थ आरक्षक रामवीर सिंह (40) पुत्र शंकरलाल गुर्जर निवासी भिंड, उनकी पत्नी रामाबाई (35), पुत्र अंशुल (12) और आर्यन (10) के अलावा आदित्य, अरुण गुर्जर (22) तथा शिवसिंह गुर्जर शामिल हैं। इनमें रामाबाई की हालत अधिक गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, रामवीर सिंह अपने परिवार के साथ मंगलवार सुबह ग्वालियर से इंदौर के लिए रवाना हुए थे। दोपहर के समय ब्यावरा के निकट उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना का कारण चालक को झपकी आना माना जा रहा है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैतूल में राष्ट्रीय राजमार्ग 47 पर दर्दनाक हादसा, टवेरा की टक्कर से मौसेरे भाई-बहन समेत तीन की मौत

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-47 (बैतूल-इंदौर फोरलेन) पर मंगलवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवाओं की मौत हो गई। चिचोली थाना क्षेत्र के दनोरा-कुमली (टाहली जोड़) के पास तेज रफ्तार टवेरा वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवतियों ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।पुलिस के अनुसार, भीमपुर विकासखंड के खारीढाना गांव निवासी आंचल सेन (25) इंदौर में प्रायवेट नौकरी करती थीं। मंगलवार सुबह वह बस से इंदौर से लौटकर टाहली जोड़ पर उतरी थीं। घर पहुंचने के लिए उन्होंने अपनी सहेली खुशी पंडाग्रे (22) को फोन कर बुलाया था। खुशी महदगांव क्षेत्र की रहने वाली थीं और कॉलेज में सेकंड ईयर की छात्रा थीं। उनके पिता खेती-किसानी का कार्य करते हैं। खुशी पंडाग्रे (22) अपने मौसेरे भाई कपिल बारस्कर (18) के साथ बाइक से पहुंची थीं। तीनों बाइक पर सवार होकर गांव की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान दनोरा-कुमली जोड़ के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार टवेरा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में कपिल बारस्कर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल खुशी पंडाग्रे और आंचल सेन को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।बताया गया है कि खुशी महदगांव क्षेत्र की निवासी थीं और कॉलेज में द्वितीय वर्ष की छात्रा थीं। वहीं कपिल जीन गांव का रहने वाला था। एक साथ घर लौट रहे तीनों युवाओं की मौत की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां पल भर में छीन लीं। मंगलवार को जिला अस्पताल में आंचल सेन और खुशी पंडाग्रे के शवों का पोस्टमार्टम कराया गया, जबकि कपिल बारस्कर का पोस्टमार्टम चिचोली में हुआ। आवश्यक कार्रवाई के बाद तीनों शव परिजनों को सौंप दिए गए।

कपिल बारस्कर और खुशी पंडाग्रे का अंतिम संस्कार ताप्ती घाट पर किया गया, जबकि आंचल सेन का शव उनके पैतृक गांव खारीढाना ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन शामिल हुए। चिचोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना में शामिल टवेरा वाहन को जब्त कर लिया गया है तथा चालक की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

नेमावर पुलिस ने सोशल मीडिया की मदद से दो शातिर चोर को किया गिरफ्तार

देवास/नेमावर। मध्य प्रदेश के देवास जिले की नेमावर पुलिस ने आधुनिक तकनीक और डिजिटल निगरानी के जरिए चोरी और नकबजनी की वारदातों का खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया मोबाइल और नकदी समेत शत-प्रतिशत मशरूका भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, थाना नेमावर क्षेत्र में हुई मोबाइल चोरी और एक सूने मकान में नकबजनी की घटनाओं के बाद जांच शुरू की गई। इस दौरान थाना प्रभारी अजय डोड के नेतृत्व में टीम ने पारंपरिक जांच के बजाय डिजिटल तकनीकों का सहारा लेते हुए 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम' चलाया।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सौम्या जैन और एसडीओपी कन्नौद आदित्य तिवारी के मार्गदर्शन में गठित टीम ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान दो संदिग्ध युवक मोबाइल चोरी करते नजर आए। इसके बाद पुलिस ने संदिग्धों की तस्वीरें डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया ग्रुप्स में साझा कीं। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर नेमावर बायपास के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 26 वर्षीय ललित पारदी और 19 वर्षीय महेंद्र पारदी, निवासी ग्राम झिरी, थाना रहटगांव, जिला हरदा के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने नेमावर हाट बाजार से मोबाइल चोरी और ग्राम दीपगांव में एक मकान का ताला तोड़कर चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 15 हजार रुपये कीमत का ओप्पो मोबाइल और नकबजनी से जुड़ी 3,500 रुपये नकद राशि बरामद की है। पुलिस ने बताया कि बदलते अपराध स्वरूप को देखते हुए अब तकनीक आधारित जांच को प्राथमिकता दी जा रही है।

भदार नदी में मछली पकड़ने गए युवक की संदिग्ध मौत, साथी ने लगाई फांसी, तीन दिन बाद मिले शव

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया ले के इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरपुर चौकी के ग्राम अमरपुर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। भदार नदी में मछली पकड़ने गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि घटना के खुलासे के बाद उसके एक साथी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शव तीन दिन बाद बरामद किए गए हैं।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।जानकारी के अनुसार, अमरपुर निवासी 25 वर्षीय रमाकांत कचेर पुत्र गुलाब कचेर अपने पांच-छह साथियों के साथ भदार नदी में मछली पकड़ने गया था। इसी दौरान वह कथित रूप से बिजली के करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद उसके साथ मौजूद युवक घबरा गए और किसी को सूचना दिए बिना वहां से चले गए। जब रमाकांत तीन दिनों तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी उसका को ई पता नहीं चलने पर अमरपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और रमाकांत के साथ गए युवकों से पूछताछ की। पूछताछ में घटना का खुलासा होने के बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर बेशर्म की झाड़ियों से रमाकांत का शव बरामद किया। इसी बीच घटना से जुड़े एक अन्य युवक संदीप उर्फ बूंदे ढीमर (28) पुत्र हरछट ढीमर ने अपने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि घटना सामने आने के बाद वह मानसिक तनाव में था। वहीं, अन्य साथी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। मंगलवार को अमरपुर चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया रमाकांत की मौत करंट लगने से होने की आशंका है, जबकि संदीप की मौत फांसी लगाने से हुई है।

दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। उन्होंने बताया कि नदी में करंट कैसे पहुंचा, इसकी भी जांच की जा रही है तथा फरार युवकों की तलाश जारी है।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत, दूसरा बेटा गंभीर

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले के नादन-देहात थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि परिवार का एक अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार बस ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। घायल युवक का इलाज सिविल अस्पताल मैहर में चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, हादसा सोमवार रात करीब 10 बजे भेड़ा मोड़ के पास हुआ। उचेहरा थाना क्षेत्र के खूझा गांव निवासी राजकिशोर कुशवाहा (50) अपने बेटों आकाश कुशवाहा (19) और अरविंद कुशवाहा (19) के साथ बाइक से मैहर से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान नागपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहे आकाश कुशवाहा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजकिशोर और अरविंद को राहगीरों तथा पुलिस की मदद से तत्काल सिविल अस्पताल मैहर पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान राजकिशोर कुशवाहा ने भी दम तोड़ दिया। वहीं अरविंद की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका उपचार जारी है।

दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना मिलते ही नादन-देहात थाना प्रभारी पंचराज सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी भिजवाकर यातायात बहाल कराया।

दो टीआई समेत 100 पर राजस्थान के डग थाने में प्रकरण दर्ज

आगरमालवा। मध्य प्रदेश के आगरमालवा जिले के दो टीआई समेत 100 लोगों के खिलाफ राजस्थान के झालावाड़ जिले के डग पुलिस थाना में प्रकरण दर्ज हुआ है। मामला इसी वर्ष जनवरी 2026 में राजस्थान के झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र के ग्राम घाटाखेड़ी में हुई एनडीपीएस एक्ट कार्रवाई से जुड़ा है। आगरमालवा पुलिस द्वारा ग्राम घाटाखेड़ी में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग पाँच करोड़ रुपए कीमत की एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री में ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल और मशीनरी बरामद करने का दावा किया था। पुलिस ने इस कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गये दोनों लोगों के परिजनों द्वारा कोर्ट में परिवाद दायर किये जाने के बाद कोर्ट ने इस कार्रवाई को फर्जी बताया है। इसके बाद यह केस दर्ज किया गया है।

राजस्थान के डग पुलिस थाना प्रभारी भंवरसिंह के अनुसार झालावाड़ जिले की चैमहला कोर्ट से सोमवार को हमारे पास आये आदेश के बाद आगरमालवा कोतवाली थाना प्रभारी शशि उपाध्याय, जिले के बड़ौद थाना प्रभारी रूपसिंह, एसआई राखी गुर्जर, एएसआई अजय जाट समेत करीब 100 ज्ञात और अज्ञात लोगों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में एफआईआर क्रमांक 154/2026 दर्ज हुई है। पुलिस ने कहा कि जांच में अन्य आरोपियों की पहचान भी की जाएगी आगरमालवा के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक विनोद सिंह ने मंगवाल को बताया कि 28 जनवरी को 80 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के साथ दबिश दी गई थी। यहां बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ और ड्रग्स बनाने की सामग्री बरामद करने का दावा किया गया था। इस दौरान दो भाई शाहिर खान और मुनव्वर उर्फ राजा गिरफ्तार किए गए थे।

गिरफ्तार आरोपियों के पिता हमीद खान शुरूआत से ही कार्रवाई को फर्जी बताते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश पुलिस ने स्थानीय राजस्थान पुलिस को सूचना दिए बिना घर में प्रवेश किया, परिजन से बदसलूकी की और उनके बेटों को झूठे एनडीपीएस प्रकरण में फंसाया। हमीद खान ने 21 फरवरी 2026 को चैमहला कोर्ट में परिवाद (शिकायती आवेदन) दायर किया। कोर्ट ने उसी दिन जिला पुलिस अधीक्षक झालावाड़ अमित कुमार को जांच के आदेश दिए थे। एसपी ने जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद्र मीणा को सौंपी थी।

एएसपी मीणा ने आगरमालवा आकर दबिश में शामिल थाना प्रभारी शशि उपाध्याय समेत कई पुलिसकर्मियों के बयान लिए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, तलाशी, गिरफ्तारी और जब्ती से जुड़े कई रिकॉर्ड नहीं मिले। जांच रिपोर्ट और उपलब्ध सबूतों पर विचार के बाद कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद अब पुलिस आरोपों की जांच करेगी। जांच रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी जाएगी। इसके बाद तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

छत से गिरने पर 7 वर्षीय मासूम की मौत, जांच शुरू

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम संवासी में एक दर्दनाक हादसे में 7 वर्षीय बालक की मौत हो गई। अंधेरे में छत से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हुए मासूम ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार ग्राम संवासी निवासी योगेश (7) पुत्र बबलू वर्मा रात के समय घर की छत पर गया था। बताया जा रहा है कि अंधेरा होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। परिजन तत्काल उसे नरसिंहगढ़ सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार योगेश अपनी दो बहनों के बीच इकलौता भाई था। उसके पिता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव के लोगों ने भी घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। पुलिस हादसे के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

आगरमालवा। मध्य प्रदेश के आगरमालवा जिले में उज्जैन-झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-552जी पर ग्राम निपानिया बैजनाथ के समीप सोमवार की रात हुए एक सड़क हादसे में देवास जिला निवास एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। आगरमालवा जिला अस्पताल चौकी प्रभारी गजेन्द्रसिंह चौहान ने बताया कि दिनेश (30) पुत्र अमरूजी मालवीय निवासी ग्राम जामनोद जिला देवास अपने एक साथी के साथ बाइक से आगरमलावा जिले के ग्राम लोलकी गया था। वहां से लौटते समय सोमवार की रात ग्राम निपानिया बैजनाथ के समीप बाथरूम करने के लिये बाइक को रोका। बाथरूम जाने के लिये सड़क क्रास करने के दौरान आ रही एक अज्ञात वाहन ने दिनेश को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही युवक की मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

मालवा में बनेगा भगवान विश्वकर्मा का भव्य मंदिर 150 वर्ष पुरानी धरोहर का होगा जीर्णोद्धार

नागदा। मध्य प्रदेश के मालवा अंचल के जूना गुजराती सुतार विश्वकर्मा समाज ने अपनी ऐतिहासिक धार्मिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उज्जैन जिले के ग्राम पलवा स्थित लगभग 150 वर्ष पुराने भगवान विश्वकर्मा मंदिर के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस उद्देश्य से गांव पलवा में समाज की केंद्रीय समिति के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंदिर निर्माण और संरक्षण की रूपरेखा तय की गई।

बैठक की अध्यक्षता कांतिलाल विश्वकर्मा (कनासिया, शाजापुर) ने की, जबकि केंद्रीय समिति के अध्यक्ष अशोक शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। समाज के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने मंदिर के संरक्षण को लेकर व्यापक चर्चा की और निर्माण कार्य को गति देने के लिए नई समिति का गठन किया। समिति के सचिव डॉ. श्रीराम शर्मा ने बताया कि यह मंदिर अपनी अद्वितीय लकड़ी की नक्काशी और पारंपरिक स्थापत्य कला के लिए प्रसिद्ध रहा है। समय के साथ मंदिर जर्जर स्थिति में पहुंच गया है, जिसके कारण इसके संरक्षण और पुनर्निर्माण की आवश्यकता महसूस की गई। प्रस्तावित मंदिर का निर्माण लगभग 1600 वर्गफीट क्षेत्र में किया जाएगा। निर्माण कार्य पर करीब 35 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। इसके लिए आवश्यक राशि समाजजनों के सहयोग और जनभागीदारी से जुटाई जाएगी। बैठक में इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, झाबुआ, शाजापुर और आगर जिलों से लगभग 150 समाजजन शामिल हुए। सभी ने मंदिर निर्माण अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग का संकल्प लिया। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष पद पर कैलाश सनोलिया को नियुक्त किया गया है।

उपाध्यक्ष के रूप में राकेश पटेल जलोदिया (धार), संजय शर्मा मौलाना (बड़नगर), सुरेश शर्मा (बड़नगर), डॉ. श्रीराम शर्मा दसाई (धार) एवं प्रशांत शर्मा (उज्जैन) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। किशोर शर्मा (बड़नगर) को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।वहीं संरक्षक मंडल में अशोक शर्मा (उज्जैन), रामचंद्र सुनेरिया (उज्जैन), रमेश कश्यप (देवास) तथा दिनेश विश्वकर्मा (लोहाना, बड़नगर) को शामिल किया गया है।समाजजनों का मानना है कि मंदिर का पुनर्निर्माण न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि मालवा क्षेत्र की पारंपरिक शिल्पकला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रबड़ी खाने जा रहे दो दोस्तों की बाइक फिसली, ट्रॉले से कुचलकर एक की मौत

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों दोस्त बाइक से रबड़ी खाने राजस्थान सीमा की ओर जा रहे थे, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। पुलिस के अनुसार ब्यावरा निवासी संजय रजक (25) अपने मित्र प्रेम उर्फ मामा गोस्वामी (48) के साथ बाइक से ग्राम सरहदी की ओर जा रहा था। उन्हें किसी परिचित ने वहां की प्रसिद्ध रबड़ी के बारे में बताया था। दोपहर में दौलाज गांव स्थित श्मशान घाट के सामने बाइक अचानक फिसल गई। हादसे में चालक संजय सड़क पर घिसटता हुआ गिरा, जबकि पीछे बैठे प्रेम उर्फ मामा हाईवे पर जा गिरे। इसी दौरान भोजपुर से खिलचीपुर की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्रॉला प्रेम के ऊपर से गुजर गया। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही खिलचीपुर थाना प्रभारी कमलसिंह गहलोत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे में घायल संजय रजक के पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उसका उपचार जारी है। दुर्घटना के बाद ट्रॉला चालक वाहन सहित फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रॉले को पकड़ लिया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि बाइक के अचानक फिसलने से यह हादसा हुआ, हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

सागर में दुस्साहस: चाकू की नोक पर घर से युवती का अपहरण, बचाने आई मां पर हमला

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के मकरोनिया थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। बड़तूमा इलाके में एक बदमाश ने युवती का उसके घर से ही चाकू की नोक पर अपहरण कर लिया। विरोध करने पर आरोपित ने युवती की मां पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को युवती अपनी मां के साथ घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक वहां पहुंचा और युवती को जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करने लगा। मां ने बीच-बचाव कर बेटी को बचाने की कोशिश की, लेकिन आरोपित ने खंजर निकालकर उन पर हमला कर दिया। हमले से घबराई युवती मां की सुरक्षा को देखते हुए आरोपित के साथ जाने को मजबूर हो गई। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी युवती को धमकाते हुए अपने साथ ले जाता दिखाई दे रहा है। वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि युवती जब अपनी मां के पास लौटने की कोशिश करती है, तो आरोपी हथियार दिखाकर उसे डराता है और जबरन साथ ले जाता है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा ने बताया कि वायरल वीडियो मकरोनिया थाना क्षेत्र का प्रतीत हो रहा है और इसकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक तथ्यों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (अपहरण) सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने आरोपित की तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। अधिकारियों का कहना है कि युवती को सुरक्षित बरामद करने और आरोपित को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

टाइम पत्रिका-2026 की खेल प्रभावशाली सूची में शामिल हुए स्मृति मंधाना और टेम्बा बावुमा

क्रिकेट से केवल इन दोनों खिलाड़ियों को ही मिला सूची में शामिल होने का मौका

नई दिल्ली। विश्व की प्रतिष्ठित टाइम पत्रिका की वर्ष 2026 की 'खेल जगत के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों' की सूची में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को स्थान मिला है। दोनों इस सूची में शामिल होने वाले इकलौते क्रिकेट खिलाड़ी बने हैं। इस सूची में दुनिया के कई बड़े खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिनमें बास्केटबॉल, फुटबॉल, टेनिस और गोल्फ के दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं।

मंधाना और बावुमा को पत्रिका ने 'टाइटन्स' श्रेणी में रखा है। स्मृति मंधाना को लेकर टाइम पत्रिका ने लिखा कि भारतीय महिला क्रिकेट की यह बल्लेबाज लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। वह घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी हैं।

पत्रिका ने बताया कि मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों के संयुक्त रिकॉर्ड की धारक हैं और एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार से अधिक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बनीं। टीम उपलब्धियों में भी मंधाना ने बड़ी सफलता हासिल की। उनकी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग 2024 और 2026 का खिताब जीता। वहीं वह पिछले वर्ष महिला विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की उपकप्तान भी रहीं। वर्ष 2024 में उन्होंने महिला क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया और अगले वर्ष खुद ही उस रिकॉर्ड को बेहतर किया। इसी प्रदर्शन के लिए उन्हें वर्ष 2025 का बीबीसी भारतीय खेल महिला सम्मान भी मिला। मंधाना इस समय इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं, जहां उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत में 44 गेंदों पर 68 रन की मैच विजेता पारी खेली।

दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को लेकर टाइम पत्रिका ने लिखा कि उन्होंने अपने खेल से देश में नई पहचान बनाई। वर्ष 2016 में वह टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाने वाले पहले अश्वेत दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज बने और वर्ष 2021 में देश के पहले अश्वेत कप्तान बने। पिछले वर्ष उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने भारत में ऐतिहासिक टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की और इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में चोट के बावजूद बावुमा की 66 रन की पारी टीम की जीत में निर्णायक साबित हुई। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के बाद बावुमा ने कहा था कि वह चाहते हैं कि उनकी उपलब्धियां पूरे देश के लिए प्रेरणा बनें।

विंबलडन में फिर साथ उतरेंगी विलियम्स बहनें, महिला युगल में सेरेना और वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड

लंदन। टेनिस जगत की दिग्गज बहनें सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ दिखाई देंगी। ऑल इंग्लैंड क्लब ने मंगलवार को महिला युगल प्रतियोगिता के लिए दोनों को वाइल्ड कार्ड प्रदान किया है। यह फैसला ग्रैंड स्लैम के शुरू होने से करीब दो सप्ताह पहले ऐसे समय लिया गया है, जब सेरेना ने लगभग चार साल बाद पेशेवर टेनिस में वापसी की है। 44 वर्षीय सेरेना ने पिछले सप्ताह लंदन में क्वींस क्लब चैंपियनशिप से वापसी की थी, जबकि वीनस सीमित कार्यक्रम के साथ लगातार खेल रही हैं और बुधवार को 46 वर्ष की हो जाएंगी।

विलियम्स बहनें टेनिस इतिहास की सबसे सफल महिला युगल जोड़ियों में गिनी जाती हैं। दोनों ने साथ मिलकर कुल 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं, जिनमें विंबलडन के छह खिताब शामिल हैं। उन्होंने पहला विंबलडन खिताब वर्ष 2000 में जीता था, जबकि ऑल इंग्लैंड क्लब में उनकी आखिरी जीत वर्ष 2016 में आई थी। सेरेना ने वापसी के दौरान क्वींस क्लब में कनाडा की विक्टोरिया मबोको के साथ अपना पहला युगल मुकाबला जीतकर शानदार शुरूआत की थी। हालांकि बाद में मबोको के घुटने में चोट लगने के कारण दोनों को प्रतियोगिता से हटना पड़ा। विलियम्स बहनों ने आखिरी बार वर्ष 2022 के अमेरिकी ओपन में साथ खेला था, जहां उन्हें पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। उससे पहले दोनों ने चार साल से अधिक समय तक एक साथ युगल मुकाबला नहीं खेला था।

श्रीलंका त्रिकोणीय सीरीज : चोटिल युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा भारत 'ए' टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत 'ए' टीम में तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को शामिल किया है। वह चोटिल युधवीर सिंह की जगह टीम का हिस्सा होंगे। बीसीसीआई के अनुसार, युधवीर सिंह को 13 जून को गेंदबाजी के दौरान दाएं कंधे में असहजता महसूस हुई थी।

इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सत्र के दौरान भी उन्हें इसी तरह की परेशानी हुई थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जांच की और पाया कि युधवीर को दाएं कंधे के रोटेटर कफ में चोट है।

चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अब उन्हें पूर्ण रूप से फिट होने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की निगरानी में चरणबद्ध पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा।

युधवीर की अनुपस्थिति में अब अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया गया है और वह आगामी मुकाबलों में भारत 'ए' टीम का हिस्सा होंगे।

श्रीलंका त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत 'ए' टीम (संशोधित)

तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), प्रियांश आर्या, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय, अशोक शर्मा।

ज्योति ने पूरे किए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

ऑकलैंड। भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्ड खिलाड़ी ज्योति ने मंगलवार को न्यूजीलैंड में खेले गए एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप के मुकाबले में जापान के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला पूरा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। इस अवसर पर हॉकी इंडिया ने उन्हें बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की।

हरियाणा की रहने वाली ज्योति ने वर्ष 2019 में मलेशिया के खिलाफ द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। अपनी मेहनत, अनुशासन और मिडफील्ड में शांत एवं प्रभावी खेल के दम पर उन्होंने भारतीय टीम में अपनी अलग पहचान बनाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्योति

कई बड़े टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह उस भारतीय टीम का हिस्सा रहीं जिसने वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में भी उनकी अहम भूमिका रही। उन्होंने प्रो लीग, एशिया कप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए ज्योति ने कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना मेरे लिए गर्व का क्षण है और मैं इसे हमेशा याद रखूंगी।

मैं अपने परिवार, प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और उन सभी लोगों का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने इस यात्रा में मेरा साथ दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'हर बार भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरना मुझे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा देता है। इस सफर ने मुझे खिलाड़ी और व्यक्ति दोनों रूपों में मजबूत बनाया है।

फीफा विश्व कप में स्वीडन से 5-1 की हार के बाद ट्यूनीशिया ने कोच बदला, एर्वे रेनार्ड को सौंपी कमान

लॉस एंजिल्स। ट्यूनीशिया फुटबॉल महासंघ ने फीफा विश्व कप में स्वीडन के खिलाफ 5-1 की करारी हार के बाद मुख्य कोच सबरी लामूशी को पद से हटा दिया है। उनकी जगह फ्रांस के अनुभवी कोच एर्वे रेनार्ड को राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फैसले की आधिकारिक घोषणा सोमवार को ट्यूनीशिया के राष्ट्रीय प्रसारण माध्यम के जरिए की गई। ट्यूनीशिया फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मोएज नस्सारी ने बताया कि एर्वे रेनार्ड के साथ आधिकारिक समझौता हो गया है और वह वर्ष 2026 विश्व कप के अंत तक टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे। रेनार्ड अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपने अनुभव और बड़े टूनामेंटों में शानदार रणनीति के लिए जाने जाते हैं।

अर्थव्यवस्था

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान की स्थिति बनी रही, लेकिन बाद में खरीदारों ने बढ़त बना ली।

पहले डेढ़ घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत और निफ्टी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती डेढ़ घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड, श्रीराम फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, आयशर मोटर्स और इंटर ग्लोब एविएशन के शेयर 0.19 प्रतिशत से लेकर 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एनटीपीसी, बजाज ऑटो, ओएनजीसी, आईसीआईसीआई बैंक और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 0.08 प्रतिशत से लेकर 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक

मार्केट में 3,041 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,294 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 747 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 262.44 अंक की तेजी के साथ 76,526.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार चढ़ाव होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 76,702.33 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 76,443.34 अंक तक गोता भी लगाया।

बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले डेढ़ घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:45 बजे सेंसेक्स 392.56 अंक की बढ़त के साथ 76,656.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 70 अंक उछल कर 23,923.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी को सपोर्ट से निफ्टी बढ़ कर 23,972.75 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली शुरू हो जाने पर यह 23,888.20 अंक के स्तर तक गिर भी गया।

केंद्र सरकार ने डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, नई दरें लागू

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विंडफॉल टैक्स) बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल पर मौजूदा कर को बरकरार रखा है। शुल्क में यह बढ़ोतरी 16 जून से लागू हो गई है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में बताया कि 16 जून से डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13.50 रुपये से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 9.50 रुपये से बढ़ाकर 12.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाली शुल्क दर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह 1.50 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। अधिसूचना में कहा गया है कि शुल्क में बढ़ोतरी 16 जून से लागू होगी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने घरेलू ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अधिसूचना के अनुसार ये दरें घरेलू बिक्री पर लागू नहीं होंगी। इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र तेल एवं गैस विपणन कंपनियों के नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को किये जाने वाले निर्यात पर भी ये दरें लागू नहीं होंगी। पिछली बार 01 जून को इनमें बदलाव किए गए थे। उस समय पेट्रोल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त शुल्क 1.50 रुपये प्रति लीटर डीजल पर तीन रुपये और एटीएफ पर 6.50 रुपये घटाये गए थे।

केंद्र ने भारत और खाड़ी देशों के बीच गहरे समुद्र में एनर्जी पाइपलाइन से जुड़ी खबरों को किया खारिज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ने वाली गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन पर काम कर रही है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि उसने ऐसी कई मीडिया रिपोर्टें देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि भारत सरकार गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन बनाने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिसे कभी-कभी 'मिडिल ईस्ट-इंडिया डीपवॉटर पाइपलाइन' (एमईआईडीपी) कहा जाता है और यह पाइपलाइन गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ेगी। मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा कि इस समय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस प्रोजेक्ट को लेकर ओमान या किसी अन्य खाड़ी देश के साथ मंत्रालय के किसी भी स्तर पर कोई सक्रिय चर्चा या बातचीत नहीं हो रही है।

मंत्रालय ने बयान में कहा, कि यह स्पष्टीकरण इस मामले से जुड़ी सभी अटकलों को खत्म करने के लिए जारी किया गया है।

पेटोलियम मंत्रालय ने कहा कि एलएनजी जहाज दिशा सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुका है। यह जहाज 62,370 टन द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लेकर आ रहा है। ये जहाज गुजरात राज्य के भरूच जिले में खंभात की खाड़ी के तट पर स्थित प्रमुख औद्योगिक और बंदरगाह शहर दहेज के लिए एलएनजी लेकर जा रहा है।

विश्व के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स की सूची में अडाणी समूह के दो हवाई अड्डे शामिल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की एयरपोर्ट संचालक कंपनी अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) को प्रतिष्ठित 'प्रिक्स वर्साय' आर्किटेक्चर और डिजाइन अवॉर्ड्स में ग्लोबल पहचान मिली है। अडाणी समूह की ओर से संचालित देश के दो हवाई अड्डों को विश्व के सबसे खूबसूरत हवाईअड्डे की सूची में शामिल किया गया है। कंपनी के मुताबिक अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) और गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एलजीबीआईए) के टर्मिनल 2 को 'प्रिक्स वर्साय' की 'दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स' की 2026 की सूची में शामिल किया गया है। एएएचएल ने कहा कि यह सम्मान अगली पीढ़ी के एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को आकार देने में एएएचएल के बढ़ते प्रभाव को उजागर करता है, जिसमें अत्याधुनिक डिजाइन, सस्टेनेबिलिटी और यात्रियों पर केंद्रित इनोवेशन पर खास ध्यान दिया गया है।

'प्रिक्स वर्साय' वास्तुकला और डिजाइन के क्षेत्र में दिया जाने वाला सालाना वैश्विक पुरस्कार है, जिसे वर्ष 2015 से हर साल पेरिस स्थित यूनेस्को के मुख्यालय में प्रदान किया जाता है। ये पुरस्कार नए शुरू हुए एयरपोर्ट और टर्मिनल को उनके आधुनिक निर्माण के लिए सम्मानित करता है, जो खास आर्किटेक्चर का अनूठा संगम दिखाते हैं। ये दिखाते हैं कि कैसे एयरपोर्ट पारंपरिक डिजाइन से आगे बढ़कर दुनिया की एक बेहतर और अधिक सामंजस्यपूर्ण तस्वीर पेश कर रहे हैं।

कंपनी के मुताबिक नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को कमल से प्रेरित खास आर्किटेक्चर,

भविष्यवादी डिजाइन और टेक्नोलॉजी, कला एव कार्यक्षमता के बेहतरीन तालमेल के लिए पहचाना गया है। इसने एक ऐसा वर्ल्ड-क्लास गेटवे बनाया है, जो एक आधुनिक ग्लोबल इकोनॉमी के तौर पर भारत की आकांक्षाओं को दशार्ता है।

लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 का आर्किटेक्चर 'बैम्बू ऑर्किड' की बायोफिलिक सुंदरता से प्रेरित है। यह एक बहुत ही उपयोगी और सस्टेनेबल ढांचे के जरिए इस क्षेत्र की समृद्ध जैव-विविधता का सम्मान करता है।

'प्रिक्स वर्साय' सूची में शामिल अन्य एयरपोर्ट में ग्वांगझू (चीन), फ्रैंकफर्ट एम मेन (जर्मनी), कंडल स्टुएंग (कंबोडिया), पिट्सबर्ग (अमेरिका) और सैन डिएगो (अमेरिका) शामिल हैं। 'प्रिक्स वर्साय' अवॉर्ड्स का मकसद समझदारी भरी सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देना है, जहां संस्कृति पर्यावरण की अवधारणा को आगे बढ़ाती है और उससे भी आगे जाती है। हर साल दिए जाने वाले पुरस्कारों के तहत 2026 की सूची में शामिल तीन एयरपोर्ट या एयरपोर्ट टर्मिनल को 'वर्ल्ड टाइटल' (प्रिक्स वर्साय, इंटीरियर या एक्सटीरियर) भी मिलेगा, जो साल के आखिर में दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अक्टूबर, 2025 को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के पहले चरण का भव्य उद्घाटन किया था। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत विकसित 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बना नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण भारत का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट है।

इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का कमर्शियल कमर्शियल संचालन 25 दिसंबर, 2025 को पहली फ्लाइट की लैंडिंग के साथ शुरू हो चुका है, ये करोड़ों लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाएगा।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी ने लगाई छलांग

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में आज 2,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। भाव में आई तेजी के कारण देश के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मजबूती आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।